● वर्ष-2
● अंक-247
रायपुर, बुधवार
07 जून 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

अरब सागर से उठ रहा चक्रवात 'बिपरजॉय'

मानसून में विलंब, बारिश के औसत आंकड़े को भी प्रभावित नहीं करेगा

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्व अरब सागर पर एक गहरे दबाव का क्षेत्र मंगलवार शाम चक्रवाती तूफान बिपरजॉय में तब्दील हो गया। चक्रवाती तूफान का बिपरजॉय नाम बांग्लादेश ने दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि दक्षिण-पूर्व और आस-पास के पूर्व-मध्य अरब सागर पर गहरा दबाव चार किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर की ओर बढ़ा और एक चक्रवाती तूफान बिपरजॉय में तब्दील हो गया। यह गोवा के पश्चिम-दक्षिणपश्चिम में लगभग 920 किलोमीटर, मुंबई के दक्षिणपश्चिम में 1050 किमी, पोरबंदर से 1130 किमी दक्षिण-दक्षिणपश्चिम और कराची से 1430 किमी दक्षिण में केंद्रित है। इसी तरह 2021 में मानसून के आगमन के समय चक्रवात यास बना था। मानसून की प्रगति के लिए स्थितियाँ अनुकूल बनी हुई हैं। आईएमडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, उपग्रह चित्रों ने लगातार केरल तट पर बादल बनने और मानसून के मजबूत होने को दिखाया है।

आईएमडी के मुताबिक, इसके उत्तर की ओर बढ़ने की संभावना है। यह धीरे-धीरे एक बहुत ही गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इससे 6 जून को केरल-कर्नाटक तटों और लक्षद्वीप-मालदीव क्षेत्रों में समुद्र की स्थिति गंभीर होने के आसार हैं। इसके अलावा 8 जून से 10 जून तक कोंकण-गोवा-महाराष्ट्र के तटों पर भी ऐसे ही हालात बन सकते हैं। इस दौरान समुद्र में गए मछुआरों को तट पर लौटने की सलाह दी गई है।

पिछले साल मानसून का प्रवेश कब?

2022- 29 मई
2021- 3 जून
2020- 1 जून
2019- 8 जून
2018- 29 मई

निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट ने आठ-नौ जून तक केरल में मानसून के दस्तक देने की संभावना है। हालांकि मानसून काफी हल्का होगा। स्काईमेट ने इससे पहले सात जून (तीन दिन आगे-पीछे) को केरल में मानसून के दस्तक की संभावना जताई थी। मौसम विभाग ने मई के मध्य में बताया था कि चार जून तक मानसून केरल में दस्तक दे सकता है। हालांकि मानसून अकसर एक जून (सात दिन आगे-पीछे) को केरल में प्रवेश कर जाता है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के आने की संभावना है। लक्षद्वीप, केरल और कर्नाटक के तटीय इलाकों में लगातार दो दिनों की बारिश जरूरी है। हालांकि, मौसम विभाग का कहना है कि मानसून के केरल में देरी से आने का मतलब यह नहीं है कि वह देश के अन्य हिस्सों में देरी से पहुंचेगा। यह देश में बारिश के औसत आंकड़े को भी प्रभावित नहीं करेगा।कुछ दिनों पहले, आईएमडी ने कहा था कि एल नीनो के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून से भारत में सामान्य बारिश होने की उम्मीद है। उत्तर-पश्चिम मानसून में सामान्य से कम बारिश होने की संभावनाएं होती हैं। जबकि, पूर्व, उत्तर-पूर्व, मध्य और दक्षिणी प्रायद्वीप में सामान्य बारिश होने की संभावना होती है। भारत के कृषि क्षेत्र में सामान्य बारिश अधिक महत्वपूर्ण है। खेती का 52 प्रतिशत क्षेत्र सामान्य क्षेत्र पर निर्भर करता है। इससे बिजली उत्पादन के साथ-साथ पीने के पानी के लिए महत्वपूर्ण है।

अधिक गर्मी का जताया था अनुमान

उत्तर-पश्चिम और प्रायद्वीपीय क्षेत्रों को छोड़कर, मौसम विभाग ने देश के अधिकांश क्षेत्रों में अप्रैल से जून तक अधिक तापमान की संभावना जताई थी। इस दौरान मध्य, पूर्व और उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक गर्मी रहने का अनुमान है। दक्षिण अमेरिका के पास प्रशांत महासागर में पानी के गर्म होने, मानसूनी हवाओं के कमजोर होने और भारत में कम वर्षा होने वाली स्थिति को अल नीनो कहा जाता है। दक्षिण अमेरिका के पास प्रशांत महासागर में पानी के ठंडे होने की विशेषता जो भारतीय मानसून का पक्ष लेती है, उसे ला नीना कहा जाता है।

बंदरगाहों को चेतावनी

अहमदाबाद। चक्रवाती तूफान की संभावना के चलते गुजरात के सभी बंदरगाहों को चेतावनी संकेत सक्रिय करने को कहा गया है। इसने कहा कि खराब मौसम के कारण मछुआरों से गहरे समुद्र में न जाने को कहा गया है। आईएमडी ने एक बयान में कहा, 卐दबाव दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के ऊपर बना है जो भारतीय समयानुसार आज सुबह साढ़े पांच बजे गोवा से लगभग 920 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण पश्चिम, मुंबई से 1120 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम, पोरबंदर से 1160 किलोमीटर दक्षिण और कराची से 1520 किमी दक्षिण में केंद्रित था। इसने कहा कि अगले 24 घंटों में पूर्वी-मध्य अरब सागर और इससे सटे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के ऊपर इसके लगभग उत्तर की ओर बढ़ने तथा चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। मौसम एजेंसी ने बताया कि उत्तर और दक्षिण गुजरात तटों के सभी बंदरगाहों पर डिस्टैंट कॉशनरी-1 (डीसी-1) सिग्नल सक्रिय किया जाए। आईएमडी पोर्टल के अनुसार, डीसी-1 को किसी बंदरगाह पर तब सक्रिय किया जाता है जब समुद्र में (मौसम) प्रणाली दबाव या गहरे दबाव के क्षेत्र की स्थिति में होती है और जब बंदरगाह पर स्थानीय मौसम के तुरंत प्रभावित होने की संभावना नहीं होती, लेकिन बंदरगाह से रवाना होने वाले जहाज अपनी यात्रा के दौरान खतरे में पड़ सकते हैं।

अहमदाबाद में मौसम निदेशक मनोरमा मोहंती ने संवाददाताओं से कहा, ''हमने मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी उत्तर गुजरात के बंदरगाहों के लिए है। यदि मछुआरे गहरे समुद्र (उत्तर या दक्षिण गुजरात) में मछली पकड़ रहे हैं, तो उन्हें तुरंत लौट आना चाहिए।'' विभाग ने अभी यह पूर्वानुमान व्यक्त नहीं किया है कि चक्रवाती तूफानगुजरात तट से टकराएगा। इस चक्रवात के गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि हालांकि, इससे तटीय क्षेत्रों में बारिश हो सकती है और तेज हवाएं चल सकती हैं।

इन दिनों

✍ आर. राजगोपालन

बंटा हुआ विपक्ष और आम आदमी पार्टी

आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल 26 क्षेत्रीय दलों को जोड़ने की कवायद में लगे हैं। छह दिनों में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के साथ छह राज्यों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बड़े नेताओं के साथ मुलाकात की और दिल्ली अध्यादेश (दिल्ली सरकार बनाम उपराज्यपाल) को राज्यसभा में रोकने को लेकर चर्चा की। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने मजाक में टिप्पणी करते हुए कहा कि पंजाब और दिल्ली के मुख्यमंत्री डबल इंजन हैं और वे दोनों पंजाब के एक ही विमान में यात्रा करते हैं। हालांकि अरविंद केजरीवाल अपने 60 करोड़ के शानदार घर के बारे में एक निजी टीवी चैनल के सवाल पर चुप हो गए। अध्यादेश के खिलाफ इस लड़ाई में मूल मुद्दा उसी शीशमहल से बनी नकारात्मक छवि को दूर करना है। यही नहीं, इस मुद्दे पर पंजाब में एक महिला पत्रकार को गिरफ्तार भी किया गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने तमिलनाडु के समकक्ष एमके स्टालिन से मुलाकात की और केंद्र सरकार के विवादास्पद अध्यादेश के खिलाफ अपने अभियान में समर्थन मांगा, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी में प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण पाना है। लेकिन द्रमुक ने आप को इल्लै (तमिल में इल्लै का अर्थ नहीं होता है) का संकेत दिया है। इसकी वजह साफ है कि द्रमुक की आप के साथ कोई प्रतिबद्धता नहीं है। कांग्रेस को अभी अपने यूपीए सहयोगियों से इस पर बात करनी है और यह भी विश्लेषण करना है कि द्रमुक को राज्यसभा में आप का समर्थन क्यों करना चाहिए। क्या यह तमिलनाडु की राजनीति में एक तमाशा नहीं बनाएगा? कांग्रेस पार्टी ने अभी तक राज्यसभा में दिल्ली अध्यादेश पर अपने रुख की पुष्टि नहीं की है। आप के शीर्ष नेताओं के अनुसार, पार्टी दो तरह की बातें करेगी। कांग्रेस राज्यसभा में इसका विरोध करेगी, लेकिन सुविधाजनक तरीके से बहिर्गमन करेगी या तटस्थ रहेगी। अनिर्णय की ऐसी स्थिति आखिरकार भाजपा को ही फायदा पहुंचाएगी और अध्यादेश पारित हो जाएगा। असल में, दिल्ली में अजय माकन और पंजाब में प्रताप सिंह बाजवा द्वारा संभावित विद्रोह को रोकने के लिए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को उन्हें साथ लेकर चलना ही होगा। केजरीवाल का उद्देश्य विपक्षी दलों को अध्यादेश के खिलाफ एकजुट करना और संसद के उच्च सदन में उसे रोकना है, जहां विपक्ष के पास भाजपा और उसके सहयोगियों की तुलना में अधिक सीटें हैं। पर केजरीवाल ने महसूस किया है कि कांग्रेस के मजबूत समर्थन के बिना कांग्रेस से निकले ये क्षेत्रीय संगठन खरगे के इशारे पर चलेंगे और आप के दावे को झुठला देंगे। वास्तव में कांग्रेस का असली रंग अब सामने आ गया है, जिसे आप नेता भी महसूस कर रहे हैं। दक्षिण भारत की सियासत की चर्चा तेलुगू देशम पार्टी का जिक्र किए बिना पूरी नहीं हो सकती है। आंध्र प्रदेश में पुनर्गठबंधन की राजनीतिक चर्चाओं के बीच तेलुगू देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबू नायडू ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह से मुलाकात की। बैठक में माना जाता है कि इन नेताओं ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में एक साथ चुनाव लड़ने पर चर्चा की। तेदेपा का वोट बैंक सिकुड़ गया है। उस खालीपन मशहूर उभरते नायक पवन कल्याण ने भरा है। उनकी पार्टी का नाम जन सेना पार्टी है। वह भी एनडीए के साथ गठबंधन करना चाहते हैं।

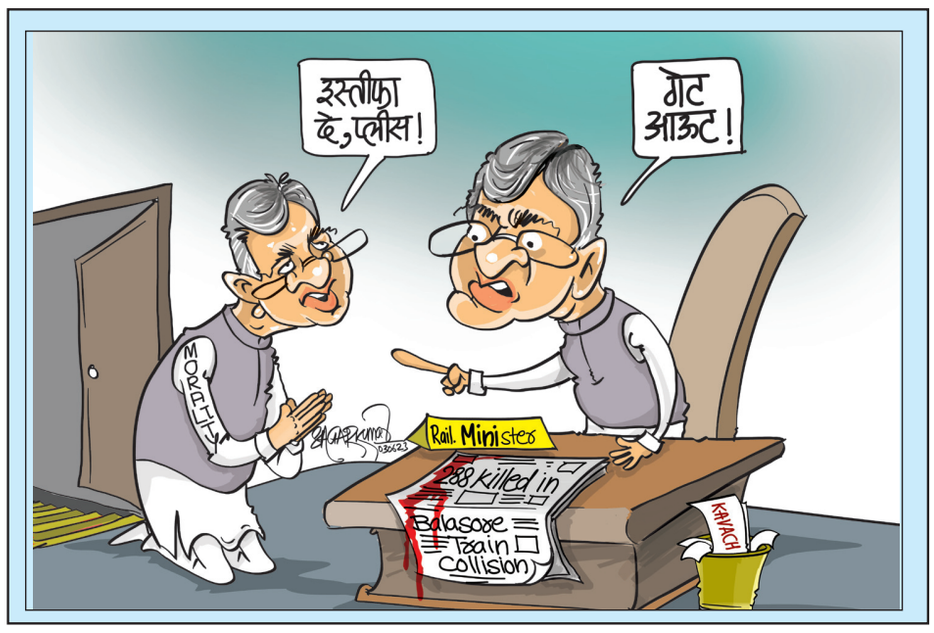

देशभर में खुलेंगे दो हजार जन औषधि केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देशभर में दो हजार प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) को प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोलने की अनुमति देने का फैसला किया है। सहकारिता मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सहकारिता मंत्री अमित शाह की रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मंडाविया के साथ आज नई दिल्ली में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में लिए गए फैसले के मुताबिक प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोलने के लिए देशभर में 2000 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों की पहचान की जाएगी। इस साल अगस्त तक 1,000 और दिसंबर तक 1,000 जन औषधि केंद्र खोले जाएंगे।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने केंद्र सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने %महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के नौ साल% के साथ नए युग की शुरुआत की है, जिसमें देश ने महिला उद्यमियों को 27 करोड़ रुपये के मुद्रा ऋण का वितरण कर रिकॉर्ड बनाया है, जो आज भारतीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हैं। शाह ने ट्वीट किया, प्रगति के सिद्धांत को बदलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के नौ साल के युग की शुरुआत की है, जिस पर दुनिया आश्चर्यचकित है। भारत ने महिलाओं उद्यमियों को 27 करोड़ रुपये का मुद्रा ऋण वितरिक रिकॉर्ड बनाया है। महिला शक्ति ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया है। गृहमंत्री ने खासतौर पर यह भी जिक्र किया कि नारीत्व का उत्सव प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का केवल नारा नहीं, बल्कि अब यह वास्तविकता है, जहां महिलाओं ने अंतरिक्ष से लेकर स्टार्ट-अप और रक्षा से लेकर घरेलू मामलों तक जीवन के सभी क्षेत्रों में सभी शीशों को तोड़कर नई ऊंचाइयों को छुआ है। शाह ने कहा कि %नारी शक्ति% को लागू करने के लिए मुद्रा योजना के तहत गैर-कृषि लघु और सूक्ष्म उद्यमों के लिए महिलाओं को 27.7 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया। मुद्रा योजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 अप्रैल, 2015 को लॉन्च किया था। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत मुद्रा ऋण वाणिज्यिक बैंकों, आरआरबी, लघु वित्त बैंकों, सहकारी बैंकों, एमएफआई और एनबीएफसी द्वारा दिए जाते हैं। उधारकर्ता इनमें से किसी भी संस्थान से संपर्क कर सकता है या इस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकता है।

प्रमुख समाचार

जनता तय करेगी मुख्यमंत्री पद का चेहरा : कमलनाथ

भोपाल। साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा कौन होगा, इसे लेकर प्रदेश में पार्टी के दो नेताओं के बयानों की पृष्ठभूमि में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने मंगलवार को कहा कि 'चेहरा वही होगा जिसे जनता स्वीकार करेगी।'

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि 2018 के विधानसभा चुनावों से उलट प्रदेश के लोग अब कमलनाथ को पहचानते हैं। इस संबंध में कांग्रेस के दो नेताओं के बयान को लेकर मंदसौर में पूछे गए सवाल पर कमलनाथ ने कहा, ''पार्टी में सब लोगों ने (नेताओं ने) जो बयान दिए हैं वो आपने भी सुने, मैंने भी सुने। इसमें कौन सी बेचैनी है? अंत में चेहरा वही होगा जिसे जनता स्वीकार करेगी।'' कमलनाथ ने कहा कि मई 2018 में जब वह कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बने थे तब राज्य के ज्यादातर लोग उनके बारे में ज्यादा नहीं जानते थे।

कोरेगांव-भीमा हिंसा मामले में फडणवीस को समन करे: प्रकाश

पुणे। बहुजन विकास आघाडी (बीवीए) के अध्यक्ष प्रकाश अंबेडकर ने जनवरी 2018 में कोरेगांव-भीमा हिंसा की जांच कर रहे आयोग से महाराष्ट्र के मौजूदा उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को समन करने की मांग की है। अंबेडकर चाहते हैं कि फडणवीस से भी पूछताछ की जाए जो घटना के समय राज्य के मुख्यमंत्री थे और उन्होंने इस संबंध में आयोग को पिछले सप्ताह एक चिट्ठी लिखी है। अंबेडकर ने तत्कालीन अपर मुख्य सचिव सुमित मलिक और उस समय के पुणे के पुलिस अधीक्षक सुवेज हक को भी समन करने की मांग की है। उन्होंने पत्र में कहा, ''मुझे पेश होने के लिए कहने से पहले मैं चाहूंगा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, तत्कालीन अपर मुख्य सचिव सुमित मलिक और पुणे के पुलिस अधीक्षक सुवेज हक से पूछताछ की जाए। आयोग से अनुरोध है कि इसी क्रम में (पूछताछ की)व्यवस्था की जाए।

उपराष्ट्रपति बोले- 2047 तक नंबर वन होगा भारत

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अमेरिका में उनकी टिप्पणी को लेकर परोक्ष रूप से हमला किया। उन्होंने कहा कि देश के संस्थानों पर धब्बा लगाने और कलंकित करने वालों की पहचान करने के लिए किसी को भी रिअर-व्यू मिरर में देखना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि 2047 तक भारत नंबर एक देश होगा। अपने आधिकारिक आवास पर भारतीय रक्षा संपदा सेवा के अधिकारियों के बैच को संबोधित करते हुए कहा उन्होंने कहा, ...हम में से कुछ लोग हैं जो गर्व नहीं करते हैं ... गुमराह आत्माएं इस देश की क्षमता और वास्तविक समय की उपलब्धियों के बारे में भ्रमित हैं। धनखड़ ने यह भी कहा कि देश के अंदर और बाहर कुछ लोग हमें परखने की कोशिश कर रहे हैं। धनखड़ ने कहा, हम दूसरों को खुद को परखने की अनुमति नहीं दे सकते। उनका परखना उद्देश्यपूर्ण नहीं है...कुछ तबकों के लिए भारत का उदय पच नहीं रहा है।

मणिपुर में बार-बार इंटरनेट बैन का मामला पहुंचा शीर्ष अदालत

नई दिल्ली। मणिपुर के दो निवासियों ने एक महीने पहले शुरू हुई जातीय हिंसा के कारण बार-बार इंटरनेट पर प्रतिबंध के खिलाफ मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। चोंगथम विक्टर सिंह और मेयेंगबम जेम्स ने अपनी याचिका में कहा है रि इंटरनेट पर प्रतिबंध भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के सांविधानिक अधिकार का उल्लंघन है। प्रतिबंध से उनके परिवारों पर आर्थिक, मानवीय, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ा है। याचिका के मुताबिक, इंटरनेट पर प्रतिबंध से राज्य के निवासियों ने भय, चिंता, लाचारी और हताशा का अनुभव किया। वे अपने प्रियजनों या कार्यालय के सहयोगियों के साथ संवाद करने में असमर्थ हैं। याचिका में यह भी कहा गया है कि अफवाह फैलाने और गलत सूचना के प्रसार को रोकने के उद्देश्य से इंटरनेट का लगातार निलंबन दूरसंचार निलंबन नियम 2017 द्वारा निर्धारित नियमों के मुताबिक नहीं है।

औपनिवेशिक शासकों के संकेतों को मिटाने का आह्वान : प्रमोद

नईदिल्ली। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने चार शताब्दियों तक गोवा पर शासन करने वाले पुर्तगालियों को राज्य के मंदिरों को नुकसान पहुंचाने के लिए दोषी ठहराया है। सावंत ने राज्य में मंदिरों को नष्ट करने के लिए क्षेत्र में पूर्व औपनिवेशिक शासकों के संकेतों को मिटाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार राज्य की नई यात्रा की योजना बना रही है। उन्होंने 17 वीं शताब्दी में मराठा साम्राज्य की स्थापना करने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक की 350 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक समारोह में कहा कि कम से कम 60 साल बाद, हमें पुर्तगालियों के संकेतों को मिटा देना चाहिए। आगे बढ़ने का एक नया तरीका शुरू करने की जरूरत है। हम भारत की स्वतंत्रता का 75वां वर्ष मना रहे हैं। गोवा क्या करने जा रहा है? जब भारत 100 साल का जश्न मना रहा हो, हम अब उस बारे में सोच रहे हैं।

नई संसद में अखंड भारत का चित्र... और भाजपा की पसमांदा रणनीति!

अभय कुमार दुबे

अभी इस घटना को बहुत दिन नहीं हुए हैं जब एक केंद्रीय राज्यमंत्री मराठी में भाषण देते हुए सुने गए थे कि प्रधानमंत्री प्याज और दाल की महंगाई कम करने के लिए नहीं चुने गए हैं बल्कि उन्होंने तो पाक-अधिकृत कश्मीर को वापस छीनने के लिए पद और गोपनीयता की शपथ ली है. यह एक ऐसा भाषण था जिसकी बड़े पैमाने पर चर्चा हुई. मंत्री महोदय को कई चैनलों ने यह सब बोलते हुए दिखाया. हां, इसके बाद उन्होंने ऐसी बात दोबारा नहीं बोली. लेकिन बात तो चले हुए तीर की तरह होती है. इस भाषण ने कई कयासों को जन्म दिया. यह तक कहा गया कि पिछला चुनाव तो बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक के दम पर जीता गया था, और यह चुनाव पाक कब्जे वाले कश्मीर को हस्तगत करने के अभियान के दम पर जीता जाएगा. भाजपा सरकार संघ परिवार के कई विचारधारात्मक लक्ष्यों को पूरा कर चुकी है. राम मंदिर पूरा होने के कगार पर है. कश्मीर की धारा 370 के विवादास्पद अंश खत्म कर दिए गए हैं. गोहत्या पर तकरीबन सारे देश में पाबंदी है. तीन तलाक को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया है. मजहब बदलने के खिलाफ कई जगहों पर कानून बनने लगे हैं. नागरिकता का रजिस्टर बन ही रहा है. अब कसर केवल समान नागरिक संहिता लागू करने की रह गई है. उसके बाद तो फिर अखंड भारत बनाना ही शेष रह जाएगा. इस एक नारे के तहत कितने चुनाव और जीते जा सकते हैं, इसकी कल्पना करना भी अभी मुश्किल है.

राम माधव संघ परिवार के बुद्धिजीवी हैं जो हिंदू राष्ट्रवाद के लिए विमर्श बनाने का काम करते हैं. उन्होंने नया शब्द गढ़ा है- धर्मोक्रेसी. उन्होंने संसद के बीच सेंगोल की स्थापना को संसद के बाहर गांधी की प्रतिमा के साथ जोड़ दिया है ताकि रामराज्य, धर्मराज्य और लोकतंत्र को एक-दूसरे का पर्याय साबित किया जा सके. ये वही राम माधव हैं जिन्होंने 2015 में 'अल जजीरा' से

बात करते हुए कहा था कि 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को आज भी यकीन है कि एक न एक दिन ये हिस्से (पाकिस्तान और बांग्लादेश), जो ऐतिहासिक कारणों से 60-65 साल पहले अलग हो गए थे, जनता की इच्छा के दबाव में एक साथ आएंगे तो अखंड भारत की रचना होगी. नई संसद जनता की इस कथित इच्छा को गढ़ने का पहला प्रयास लगती है. इसके भवन के एक हिस्से में 16 भित्ति चित्र बनाए गए हैं जिनमें एक ऐसा चित्र है जिसमें दिखाए गए भारत में अफगानिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, तिब्बत, पाकिस्तान और बांग्लादेश भी शामिल हैं. यह अखंड भारत का चित्र है. उसी अखंड भारत का जिसे संघ परिवार पुण्यभूमि भारत की संज्ञा देता है. इसके तहत अफगानिस्तान को 'उगंथन', काबुल को 'कुभा नगर', पेशावर को 'पुरुषपुर', मुल्तान को 'मूलस्थान', तिब्बत को 'त्रिविश्त', श्रीलंका को सिंहलद्वीप और म्यांमार को 'ब्रह्मदेश' का नाम दिया गया है.1944 में मुस्लिम लीग द्वारा भारत के विभाजन की मांग के जवाब में हुई अखंड भारत कांफ्रेंस में बोलते हुए राष्ट्रवादी इतिहासकार राधाकुमुद मुखर्जी ने अखंड भारत का जो भौगोलिक वर्णन किया था, वह आज भी संघ परिवार के लिए संदर्भ-बिंदु बना हुआ है. चाहे संघ के दूसरे सरसंघचालक गोलवलकर हों या भारतीय जनसंघ की प्रमुख हस्ती दीनदयाल उपाध्याय हों या आज के कई वरिष्ठ नेता हों, अखंड भारत की शब्दावली संघ परिवार की जुबान पर चढ़ी ही रहती है. संसद में बने भित्ति चित्र पर पड़ोसी देश आपत्ति न करें इसलिए उसके नीचे लिख दिया गया है कि 235 से 28 ईसा पूर्व का अशोक साम्राज्य है जिसे बौद्ध धर्म का प्रसार करने का श्रेय जाता है. यह लिखना कितना जरूरी था इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि नेपाल के विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री प्रचंड से अपील की थी कि वे भारत-यात्रा के दौरान इस तरह के नक्शे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सफाई मांगें.

भाजपा प्रवक्ता बार-बार यही बात कहते हैं कि अगर देश के मुसलमान पिछड़ी हालत में हैं तो यह जवाबदेही उन्हें वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करने वाली कांग्रेस की है. चूंकि कांग्रेस के अलावा मुसलमानों के वोटों की दावेदार दलित-पिछड़ा नेतृत्व वाली पार्टियां भी अशरफों के नेतृत्व पर भरोसा करती हैं इसलिए भी भाजपा की यह पसमांदा रणनीति अगर पचास फीसदी भी सफल हो गई तो 'गेम चेंजर' साबित हो सकती है. यह एक ऐसा तीर है जो एक साथ दो निशाने साधेगा.।

मुख्यमंत्री ने कोंडागांव जिले के 515 युवाओं को बांटा नियुक्ति पत्र

कोंडागांव। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने पिछले दिनों युवाओं को संबोधित करते हुए कहा था कि आपको बेरोजगारी भत्ता देने से ज्यादा खुशी तब होगी जब आपके हाथों में रोजगार होगा। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के चेहरे पर यही खुशी आज देखने को मिली, जब उन्होंने कोंडागांव जिले के ग्राम बेड़मा में 515 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा। खास बात यह रही कि इनमें से 46 ऐसे युवा भी है जिन्हें बेरोजगारी भत्ता मिल रहा था। मुख्यमंत्री ने यह जानकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और युवाओं को रोजगार से जोडने़ की इस पहल को सराहा।

इस दौरान अपने मुख्यमंत्री से मिलने युवा जितने अधिक उत्साहित दिखे, मुख्यमंत्री श्री बघेल भी उसी उत्साह के साथ युवाओं से मिले, उनसे चर्चा की और उनका हौसला भी बढ़ाया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने युवाओं को भावी जीवन की शुभकामनाएं दी और कहा कि यह मात्र एक पड़ाव है, आप सभी खूब आगे बढ़े और तरक्की करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश की युवा ऊर्जा के साथ ही हम छत्तीसगढ़ को विकास के रास्ते पर आगे ले जाने का काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का यह मित्रवत और आत्मीय व्यवहार युवाओं को भा गया और उन्होंने मुझे मिला रोजगार के नारे के साथ मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया और अपनी खुशी जाहिर की।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के हाथों आज गंगा और शम्पा को भी नियुक्ति पत्र मिला। बेटियां भी परिवार को संबल दे सकती हैं। इसी उद्देश्य के साथ शम्पा और गंगा की आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने की चाह ने यह राह दिखाई है। पल्लारी गांव की रहने वाली गंगा मरकाम को सिक्युरिटी स्टाफ के रूप में काम मिला है। नियुक्ति पत्र मिलने पर गंगा ने बताया कि उसे पिछले दो माह में बेरोजगारी भत्ता भी मिल चुका है, लेकिन अब नौकरी मिलने से वो अधिक खुश है। अपने और परिवार की जरूरतों को भी वो अब पूरा कर पाएगी।

इसी तरह कोंडागांव की रहने वाली शम्पा मुखर्जी ने बताया कि उसे सेल्समैन का काम मिला है। उसे पिछले कुछ दिनों से काम की तलाश थी और इसी दौरान प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन हुआ। प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से उसे नौकरी मिल गई। शम्पा बताती है कि नौकरी से उसे बड़ा सहारा मिला है और इस बात से वो और परिवार के लोग खुश है। इस पहल के लिए उसने मुख्यमंत्री को धन्यवाद भी दिया।

जिला प्रशासन की पहल से जिले के युवाओं को रोजगार से जोडने़ के लिए सभी विकासखंडों में 26 मई से 31 मई 2023 तक प्लेसमेंट कैम्प आयोजित किये गए थे। जिनमें से 515 चयनित युवाओं को आज मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र मिला। इनमें 46 ऐसे युवा भी शामिल है, जिन्हें शासन की बेरोजगारी भत्ता योजना का भी लाभ मिल रहा था, लेकिन अब उन्हें भी रोजगार मिल गया है। साथ ही अधिकारियों ने बताया कि जिले में बेरोजगारी भत्ता के पात्र हितग्राहियों में से 55 हितग्राहियों सहित युवाओं को कौशल प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

डॉक्टर तुमचो दुआर कार्यक्रम का मुख्यमंत्री बघेल ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

कोंडागांव। केशकाल विकासखण्ड के ग्राम बेड़मा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने हरी झंडी दिखाकर जिला प्रशासन की नवीन पहल डॉक्टर तुमचो दुआर का शुभारंभ किया। इस पायलेट प्रोजेक्ट के अंतर्गत जिले के बड़ेराजपुर एवं फरसगांव विकासखण्डों के पहुंचविहीन ग्रामों में चिकित्सा सुविधाएँ टेलीमेडिसिन के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए एक कॉल सेंटर की स्थापना और कॉल सेंटर में 24 घण्टे कर्मचारियों की ड्युटी लगायी जायेगी। कॉल सेंटर से कॉल प्राप्त करते ही डॉक्टर, एएनएम एवं अन्य कर्मचारियों के बने दल को सूचित किया जायेगा। डॉक्टर द्वारा बीमार व्यक्ति एवं उनके परिजनों से चर्चा कर टेली कॉन्फ्रेसिंग से परामर्श दिया जायेगा एवं गंभीर रोगी जिन्हे तुरंत इलाज की आवश्यकता होगी उनके लिए वाहन के साथ डॉक्टर एवं उनका दल घर पहुंच कर रोगी का इलाज करेंगे। आवश्यक होने पर उन्हे अस्पताल लाकर उपचार भी किया जायेगा। जिले में दूरस्थ इलाकों में उपचार हेतु हाट बाजार क्लिनिक योजना पहले ही सफलता पूर्वक संचालित की जा रही है। ऐसे में डॉक्टर तुमचो दुआर द्वारा जिले के पहुंच विहीन ग्रामों में भी सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा टेली मेडिसिन के माध्यम से अडधिक से अधिक लोगों तक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इस योजना के सफल होने पर अन्य विकासखण्डों में भी योजना का प्रसार किया जायेगा।

पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेदारी और कर्तव्य : रंजना साहू

■ **प्रकृति संरक्षण के प्रति सजग होकर विधायक ने विश्व पर्यावरण दिवस पर किया वृक्षारोपण**

धमतरी। विश्व पर्यावरण दिवस यानी 5 जून सोमवार को पूरे विश्व में पर्यावरण संवर्धन और संरक्षण के प्रति जागरूकता के साथ आमजन इस दिवस को प्रकृति को समर्पित करते हैं, इसी कड़ी में धमतरी के ग्राम कानीडबरी में विधायक द्वारा प्रकृति के प्रति सजग होकर वृहद रूप में वृक्षारोपण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती रंजना डिपेंद्र साहू ने कहा कि प्राचीन काल से ही भारत में प्रकृति संरक्षण की समृद्ध परम्परा और गहरी समझ रही है, पूजा के विभिन्न माध्यम और पर्यावरण की रक्षा हमारी संस्कृति के आवश्यक अंग रहे हैं। पर्यावरण संवर्धन और मानव अस्तित्व एक दूसरे के पूरक हैं परंतु विकास की दौड़ में मानव ने पर्यावरण को एक अपूर्णीय क्षति पहुंचाई है, भारतीय संस्कृति भी हमें वन और वृक्ष के साथ आत्मीयता और आध्यात्मिकता का पाठ पढ़ाती है, हम सभी का नैतिक दायित्व भी बनता है कि पर्यावरण संवर्धन में हर संभव प्रयास करें। इस विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर चलिए, हम बेहतर कल के लिए अपने पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लेते हैं।

वहीं भाजपा भोथली मंडल अध्यक्ष हेमंत चंद्राकर ने कहा स्वच्छ-सुरक्षित पर्यावरण हमारे पारिस्थितिकी तंत्र तथा जैव-विविधता को संतुलित व संरक्षित रखता है। वृक्ष लगाएँ - धरा बचाएँ,भूत नहीं लेकिन भविष्य बदलना हमारे हाथों में है।शुद्ध हवा, स्वच्छ जल, निश्चल पर्यावरण पर सबका हक़ है। आगामी पीढ़ियों के लिए इसका प्रबंध करना हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी है। प्रकृति को समर्पित विश्व पर्यावरण दिवस पर इसके संरक्षण,संवर्धन व सुरक्षा सहित स्वच्छ व हरित पृथ्वी के अपने संकल्प को दोहराएं। उक्त अवसर पर जनपद सदस्य अवनेंद्र साहू, डिपेंद्र साहू, जय हिंदूजा, पंकज साहू, अनिता यादव, वासु साहू, किशोर ध्रुव, मोनू अग्रवाल, दिलीप साहू, खिलेंद्र कुमार, शंकर कुमार, मोहित नेताम, चंद्रप्रकाश अग्रवाल, सुशीला नेताम, अन्नपूर्णा कंवर, यशोदा साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जनपद अध्यक्ष ने किया पौधारोपण

नगरी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत नगरी की अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम ने दुगली स्थित वन विभाग की नर्सरी में आम,नीम, कटहल एवं अन्य पौधों का रोपण वन अधिकारियों के साथ किया। इस अवसर पर उनके साथ वन विभाग के समस्त कर्मचारी 5 पौधों की सेवा करने का संकल्प लिया।

केंद्र सरकार के 9 वर्ष पर होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में कोर कमेटी की बैठक प्रभारी ने ली

मुंगेली। भारतीय जनता पार्टी मुंगेली विधानसभा क्षेत्र कोर कमेटी की बैठक प्रभारी अशोक साहू ने ली तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 9 वर्ष के सफलतम कार्यकाल पर होने वाले कार्यक्रमों के संयोजक व सह संयोजक बनाए गए।

अटल परिसर जिला भाजपा कार्यालय मुंगेली में मुंगेली विधानसभा क्षेत्र के कोर कमेटी की बैठक विधानसभा प्रभारी अशोक साहू ने ली। जिसके अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल के सफलतम 9 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम को अंतिम रूप प्रदान किया गया। 16 जून को सेतगंगा में दोपहर 2 बजे लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जिसके संयोजक शिवप्रताप सिंह व सह संयोजक सोम वैष्णव,मानिकलाल सोनवानी,शिवकुमार बंजारा होंगे। 18 जून को मुंगेली विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ एवं प्रभावशाली कार्यकर्ताओं के साथ परिचर्चा झूलेलाल धाम रायपुर रोड मुंगेली में दोपहर 12 बजे,इसके संयोजक प्रेम आर्य व सह संयोजक मुकेश रोहरा होंगे। भाजपा के सभी 7 मोर्चों का संयुक्त मोर्चा सम्मेलन 20 जून को दोपहर 1 बजे अटल परिसर जिला भाजपा कार्यालय मुंगेली में,इसके संयोजक दीनानाथ केशरवानी व सह संयोजक कोटूमल दादवानी होंगे। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास कार्यक्रम जिला भाजपा कार्यालय मुंगेली में,संयोजक द्वारिका जायसवाल व सह संयोजक राणाप्रताप सिंह,23 जून को डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्बोधन निर्धारित लिंक के माध्यम से जिले के सभी बुथों में सुना जाएगा। प्रभारी सुनील पाठक व सह प्रभारी मुकेश रोहरा होंगे। इसके अतिरिक्त 25 जून को तखतपुर में होने वाले लोकसभा स्तरीय प्रबुद्ध जन सम्मेलन हेतु प्रभारी द्वारिका जायसवाल होंगे।

कोर कमेटी की बैठक में 30 मई से प्रारंभ हो चुके व 30 जून तक चलने वाले विशेष संपर्क अभियान के मण्डल व बूथवार कार्यक्रमों को अंतिम रूप देकर चल रहे कार्यक्रम का समीक्षा भी किया गया। इस अवसर पर विधायक पुन्नूलाल मोहले,प्रभारी अशोक साहू,जिला भाजपा अध्यक्ष शैलेश पाठक, प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य गिरीश शुक्ला, राजेंद्र वैष्णव,पूर्व विधायक चोवादास खाण्डेकर, शिवप्रताप सिंह, अशोक सिंह ठाकुर,द्वारिका जायसवाल, चंद्रकली पात्रे, सरस्वती सोनी,दीनानाथ केशरवानी, प्रेम आर्य, कोटूमल दादवानी, शिवकुमार बंजारा, तरुण खाण्डेकर, राणाप्रताप सिंह,शंकर सिंह,सोम वैष्णव,यश शुक्ला,सुनील उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ली गई शपथ

सुकमा। दुनिया भर में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश?य से 05 जून को प्रति वर्ष 'विश्व पर्यावरण दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता के साथ ही हम पर्यावरण के लिए कुछ विशेष काम करने का संकल्प भी लेते हैं। इस दिन विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। साथ ही नागरिकों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को जगाने की कोशिश की जाती है। इस अवसर पर जिलेभर में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। साथ ही कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में डिप्टी कलेक्टर द्वारा उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों को पर्यावरण की सुरक्षा के लिए शपथ दिलाई गई।

महापौर ने स्वच्छता रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया

कोरबा। विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा विशाल स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। आयोजन में घंटाघर से पोड़ीबहार एस.एल.आर. एम.सेंटर तक रैली निकाली गई, जिसे महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद ने हरी झण्डी दिखाकर रवानगी किया। इस रैली में स्वच्छता विभाग के अधिकारी कर्मचारीगण, स्वच्छता दीदियॉ, सफाई कर्मचारियों और अन्य लोग शामिल हुये, रैली पोड़ीबहार एस.एल.आर.एम.सेंटर में जाकर समाप्त हुई जहॉं मंचीय कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को स्वच्छता के प्रति तथा पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रखने के प्रति विचार मंथन किया गया और इसमें आमलोगों की सहभागिता निश्चित करने की अपील उनसे की गई।

हमारी जीवन शैली पर्यावरण के अनुकूल कैसे रहे, इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु जागरूकता के लिए स्वच्छता जागृति रैली निकाली गई। जिसका मुख्य उद्देश्य यह था कि भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन की एक महत्वपूर्ण योजना आर.आर.आर. (ट्रिपल आर) के कान्सेक्ट के प्रति लोगों में जागरूकता कैसे लाये, तत्संबंध में लोगों तक इसकी जानकारी पहुंचाने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। साथ ही नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एन.सी.ए.पी.) द्वारा वायु गुणवत्ता सुधारने हेतु भी एक अभियान चलाया जा रहा है। महापौर श्री प्रसाद ने पर्यावरण संरक्षण हेतु अधिकारियों कर्मचारियों व स्वच्छता दीदियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई एवं उनके स्वच्छता संबंधी उत्कृष्ट कार्यो हेतु स्वच्छता दीदियों को प्रशस्ति पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया। छत्तीसगढ़ शासन की मेरी लाईफ-मेरा स्वच्छ शहर टैग को जन-जन तक पहुंचाने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु कार्य किए जा रहे हैं। महापौर श्री प्रसाद व अन्य अतिथियों ने पोड़ीबहार स्थित एस.एल.आर.एम.सेंटर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर फलदार वृक्षों का वृक्षारोपण भी किया एवं सभी को अपने मोहल्ले व अपने घरों के आसपास रिक्त पड़ी भूमि पर वृक्षारोपण हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद के साथ ही मेयर इन काउंसिल सदस्य प्रदीप जायसवाल, पार्षद शैलेन्द्र सिंह पप्पी, मुकेश राठौर, रामप्रकाश जायसवाल, निखिल शर्मा, राजेश यादव, नगर पालिक निगम कोरबा के अपर आयुक्त खजांची कुम्हार, कार्यपालन अभियंता आर.के.माहेश्वरी, ए.के.शर्मा, एम.एन.सरकार, विनोद शांडिल्य, प्रकाश चन्द्रा, एन.के.नाथ, स्वास्थ्य अधिकारी संजय तिवारी, सुनील वर्मा आदि उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कोरबा जिले के सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा 8 से

कोरबा। छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा-6 के तहत जिले के सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा 8 जून से आयोजित की जाएगी। जिसमें पंचायतों की आय व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन मनरेगा के तहत रोजगार की मांग एवं दिए गए रोजगार की स्थिति ग्राम गौठानों के प्रबंधन एवं संचालन, नरवा-गरूवा-घुरूवा-बाड़ी के कार्यों की प्रगति, जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन से संबंधित प्रकरण, पेसा एक्ट, वर्ष 2023-24 की ग्राम पंचायत विकास योजना आदि विषयों पर विशेष रूप से चर्चा की जाएगी। ग्राम सभा में गणपूर्ति कराने का दायित्व पंच-सरपंच एवं सचिव का होगा। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार निर्धारित तिथि 23 जनवरी, 14 अप्रैल, 20 अगस्त एवं 02 अक्टूबर के अतिरिक्त प्रतिवर्ष माह जून एवं नवंबर में प्रत्येक ग्राम में ग्राम सभा का आयोजन किया जाता है।

आबकारी विभाग में गबन करने वाला बाबू गिरफ्तार

धमतरी। धमतरी आबकारी विभाग में 37 लाख 95 हजार 524 रूपए की धोखाधड़ी करने वाले बाबू को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी का नाम हर्षेंद्र साहू 55 वर्ष निवासी कोतवाली धमतरी है। 2021 में हर्षेंद्र के खिलाफ धमतरी आबकारी विभाग के अधिकारी ने सिविल लाईन थाने में अपराध दर्ज कराया था। शिकायत दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। जानकारी के मुताबिक, आरोपी हर्षेंद्र साहू 2018 में धमतरी के शास. उ.मा.वि सलोनी में सहायक ग्रेड 3 के रूप में पदस्थ था। इसके बाद तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी ने उसका ट्रांसफर आबकारी कार्यालय धमतरी में कर दिया था। यहां पर आरोपी लेनदेन संबधित कई कार्य देखता था। इस दौरान उसने फर्जी हस्ताक्षर से 37 लाख 95 हजार 524 रूपए अपने परिजनों के खातों में डलवा दिए। इस बात की जानकारी जब आबकारी विभाग को हुई तो इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई गई थी। मामले में विभाग ने बाबू को सस्पेंड भी किया था। धमतरी पुलिस ने मामले में 420, 467, 468, 471 के तहत अपराध दर्ज किया था।

ग्रामीण वनोपज दर में वृद्धि के लिए बाजार का किया घेराव

बीजापुर। गंगालूर साप्ताहिक बाजार में मंगलवार को ग्रामीणों ने महुआ, टोरा, इमली और आमचूर के दर में वृद्धि की मांग को लेकर साप्ताहिक बाजार का घेराव करते हुए वनोपज की खरीदी बाधित कर तकरीबन चार घंटे तक प्रर्दशन करते रहे। ग्रामीण इस बात पर अड़े रहे कि, जब तक वनोपज के दर में वृद्धि की मांग के अनुसार राशि नहीं मिल जाती तब तक खरीदी नहीं होने देंगे। वहीं ग्रामीणों ने उचित मूल्य की दुकान से गरीबों को मिलने वाले चांवल को भी बाजार में वनोपज के बदले नही देने की मांग करते हुए बाजार में वनोपज खरीदी को रोक दिया था। ग्रामीण मंडी के दर से वनोपज की कीमत मांग रहे हैं और व्यापारी उस दर पर खरीदी करने में असमर्थता जता रहे हैं।

विद्युत पोल विस्तार योजना का नपा अध्यक्ष ने किया शुभारंभ

सूरजपुर। नगर के सभी 18 वार्डों की बहूप्रतिक्षित विद्युत पोल विस्तार की योजना का आज नगरपालिका अध्यक्ष के.के. अग्रवाल ने पार्षदों की उपस्थिति में वार्ड क्र0-18 से शुभारंभ किया। शहर के सभी वार्डों के नव विस्तारित पारा, मजरा, टोला में 300 से भी अधिक विद्युत पोलों का विस्तार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जिला बनने के बाद मुख्यालय में तेजी से बढ़ी आबादी और शहर विस्तार के कारण कई मोहल्लों में पोल विस्तार की मांग स्थानीय पार्षद एवं नागरिकों के द्वारा की जा रही थी। नगरपालिका अध्यक्ष के.के. अग्रवाल ने इसके लिए नगरीय निकाय विभाग व स्थानीय प्रशासन से पत्राचार और लगातार प्रयास के बाद 300 विद्युत पोल विस्तार की स्वीकृति 14 वे फाइनेंस में मिली। 18 वार्डों में 300 से भी अधिक पोल विस्तार की योजना का मुख्य उद्देश्य नगर के अंतिम छोर में विद्युत प्रकाश पहुंचाना है, पोल विस्तार के बाद स्ट्रीट लाईट लगाई जायेगी। शहर में कई ऐसे मोहल्ले है, जहां आजादी के पचहत्तर साल बाद भी विद्युत लाईन नहीं थी।

बिजली तार के करंट से लंगूर की मौत

कोरबा। शहर के पुरानी बस्ती में एक लंगूर बिजली तार के करंट की चपेट में आ गया। न्यूटल और फेस तार के बीच फंसकर खुद को छुड़ाने की फेर में वह जमीन पर गिर गया। जमीन पर गिरते ही उसकी मौत हो गई। बस्ती वासियों ने इसकी सूचना वन विभाग के वन्य जीव संरक्षण टीम को दी गई। जिनके सहयोग लंगूर की अंत्येष्टि की गई। जैव विविधता से भरे जिले के जंगलों में रहने वाले जीव कई बार भटक कर रिहायशी क्षेत्रों में आ जाते हैं। इस कड़ी में कुछ लंगूर परसो शाम पुरानी बस्ती में पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि बस्ती में कहीं वन क्षेत्र से पहुंचे कुछ लंगूर छतों में उछल कूद कर रहे थे। तभी आचनक एक लंगूर विद्युत प्रवाह लाइन के चपेट में आते ही जमीन में गिर पड़ा। जमीन में गिरते ही आस पास के लोग लंगूर को बचाने के लिए उसके पास पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। जिसके बाद लोगों ने इसकी जानकारी वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम अध्यक्ष वन विभाग सदस्य जितेंद्र सारथी को दिया फिर कुछ देर बाद मौके स्थल पर पहुंचे।

जनपद अध्यक्ष मनेंद्रगढ़ के विरुद्ध हुई एसपी से शिकायत

■ **ब्लैकमेल करने व मानहानि कर मानसिक रूप से प्रताडित करने का लगाया गया आरोप**

एमसीबी। तहसील केल्हारी अंतर्गत ग्राम श्रीरामपुर निवासी विजय कुमार ने जनपद अध्यक्ष विनय शंकर के द्वारा ब्लैकमेल करने व मानहानि कर मानसिक रूप से प्रताडित करने की लिखित शिकायत पुलिस अधीक्षक जिला एमसीबी से की है। अपने आवेदन में विजय कुमार ने उल्लेख किया है कि ग्राम केल्हारी में डॉक्टर विनयशंकर की पत्नी प्रियंका पोर्ते के नाम पर करीब 6 वर्ष से संचालित इंडियन आयल का पेट्रोल पंप है, जिसको विनय शंकर चलाते है। मैं प्रारंभ से पेट्रोल पंप में मैनेजर का काम 9000 प्रतिमाह में करता था फरवरी 2022 से विनयशंकर मेरा वेतन यह कहकर देना बंद कर दिया कि तुम किसी तरह अपना काम चलाओं पंप में पैसा बढ़ाना है ताकि तेल का शार्टेज न हो जब एक वर्ष तक मेरा वेतन नही दिया तो फरवरी 2023 से मैं पेट्रोल पंप का काम बंद कर दिया,कई वर्करों का पैसाविनयशंकर नही दिए है, जिस कारण लोग काम छोड़ते गए है। मजदूरी भी इनको मात्र पांच हजार महीने देते है, ग्राम श्रीरामपुर का दीपक आ0 नंदलाल पनिका भी काम करता था उसका भी कुछ माह का वेतन नही दिए थे तो वह भी काम बंद कर दिया था जिस कारण उसको दिनांक 22/03/2023 को पेट्रोल पंप में बुलवाकर विनयशंकर एक कागज में जबरन साइन करवाए थे, जिसकी रिपोर्ट दीपक द्वारा आपके समक्ष किया गया था एवं गवाह के रूप में मेरा भी नाम लिखा था एवं केल्हारी पुलिस ने मेरा भी बयान लिया था। तब से विनय शंकर मेरे उपर काफी दबाव बनाने लगा कि मेरे पक्ष में गवाही दो मेरे द्वारा एक पुरानी विटा वाहन क्रमांक स्क्क 65 ष्ट2405 विजय मिश्रा निवासी मनेन्द्रगढ़ से लिया गया था,किन्तु वाहन का कागज गुम हो जाने के कारण अभी मेरे नाम पर ट्रांसफर नही हो पाया है। डाक्टर विनयशंकर एक झूठी शिकायत थाना मनेन्द्रगढ़ में दिनांक 27/05/2023 को मेरे विरूद्ध किया कि विजय फर्जी बिक्रीनामा बनवाकर गाडी रखा हुआ है मुझे दिनांक 27/05/2023 को थाना मनेन्द्रगढ़ से करीब 11:30 बजे दिन फोन आया कि विनयशंकर शिकायत किए हैं कि तुम फर्जी कागज बनवाकर गाडी रखे हो जल्दी गाडी को लेकर थाने आओ, फिर उसी दिन करीब 4 बजे केल्हारी पुलिस का आरक्षक संतोष एक अन्य पुलिस वाले के साथ मेरे घर श्रीरामपुर आकर गाडी के बारे में पूछताछ कर रहे थे एवं बोल रहे थे कि थाना प्रभारी केल्हारी आपको थाना में बुलाए है, विनयशंकर शिकायत किए है।मैं घर से बाहर था,इस प्रकार डॉक्टर विनयशंकर मेरे को ब्लैकमेल कर मानसिक रूप से प्रताडित कर अपमानित कर रहे है, मेरी मान प्रतिष्ठा भी धूमिल हुई है। डाक्टर विनयशंकर जनपद अध्यक्ष भी है एवं अपने पद का दुरूपयोग कर मुझे ब्लैकमेल कर रहे है।

मैनपाट में तेज हवाओं के साथ झमाझम वर्षा

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के कई जिलों सोमवार दोपहर बाद से तेज हवाओं के साथ अंधड़ चल रही है,कुछ जिलों में झमाझम वर्षा भी हुई। सरगुजा के मैनपाट में तेज हवाओं के साथ वर्षा से मौसम खुशनुमा हो गया। वहीँ बेमेतरा शहर में भी तेज़ अंधड़ की खबर हैं। वहां भी झमाझम बरसात हो रही हैं। वहां कई वृक्ष धरासायी हो गए हैं और पावर सप्लाई ठप्प हो गई हैं। राजधानी में भी सूर्य लुका छिपी खेल रहा हैं। कुछ जिले अभी भी भीषण गर्मी के चपेट में हैं।

बता दें की सुबह से झुलसाने वाली तेज धूप के कारण लोग बेचैन है। पिछले दो-तीन दिनों से दोपहर बाद आसमान में हल्के बादल छाने से शाम को उमस बढ़ रही है। उमस भरी गर्मी के कारण परेशान लोगों को देर रात तक राहत नहीं मिल पाती। रात 10 बजे के बाद तक शहरी क्षेत्र में गर्म हवा चलती रहती हैं।

सोमवार सुबह से सरगुजा के मैदानी क्षेत्रों में प्रचंड गर्मी पड़ रही है। तेज धूप के कारण कारण लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। गर्मी से बेहाल सरगुजा के मैदानी क्षेत्र के लोग मैनपाट में हुई वर्षा के कारण उत्साहित नजर आ रहे हैं। दरअसल सोमवार दोपहर छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थल मैनपाट का मौसम अचानक बदल गया। आकाश में काले घने बादल छा गए। तेज हवाएं चलनी शुरू हो गई।

थोड़ी ही देर में झमाझम वर्षा से मैनपाट का मौसम खुशनुमा हो गय गर्मी से बेहाल लोगों के लिए मैनपाट में हुई वर्षा की तस्वीर और वीडियो सुकून देने वाली रही। ऐसे ही वर्षा मैदानी क्षेत्रों के लिए भी राहत देने के लिए जरूरी बताया। मौसम विज्ञानियों की मानें तो स्थानीय प्रभाव से मैनपाट में वर्षा हुई है। मैदानी क्षेत्र में दोपहर बाद बादल छाने का पूर्वानुमान है। बादल से उमस बढ़ेगी और गर्मी से राहत की संभावना कम होगी। वहीँ बेमेतरा जिले में अंधड़ से खासा नुकसान की खबर हैं। वहां भी झमाझम बरसात हो रही हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

राष्ट्रपति मुर्मू को सूरीनाम का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

पारामरिबो। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सूरीनाम के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया है। सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रकिप्रसाद संतोखी ने मजबूत द्विपक्षीय संबंधों के राष्ट्रपति मुर्मू का सम्मान किया। गृह मंत्रालय ने ट्वीट कर जानकारी दी कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सूरीनाम के राष्ट्रपति संतोखी ने अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड ऑर्डर ऑफ द येलो स्टार से सम्मानित किया है। भारत और सूरीनाम के द्विपक्षीय रिश्ते काफी मजबूत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राष्ट्रपति मुर्मू को बधाई दी है। राष्ट्रपति मुर्मू ने सम्मान समारोह के दौरान संबोधन में कहा कि देश के सबसे बड़े सम्मान से उन्हें सम्मानित किया गया। इस वजह से काफी खुश हूं। इस सम्मान से सिर्फ मुझे ही नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों को इससे गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने इस सम्मान का श्रेय भारतीय-सुरीनामी समुदाय के लोगों को दिया और कहा कि उनके कारण हमारे रिश्तों में अधिक मजबूती आई है।

11 जून को नई पार्टी का ऐलान करेंगे सचिन पायलट!

जयपुर। असंतुष्ट कांग्रेस नेता सचिन पायलट 11 जून को राजस्थान में अपनी नई पार्टी शुरू कर सकते हैं। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। खबरों के मुताबिक, सीएम अशोक गहलोत के साथ गंभीर और लंबे समय से चल रहे मतभेदों के बीच पायलट अपनी खुद की पार्टी लॉन्च करने जा रहे हैं। अटकलों की माने तो उन्होंने संबंधित अधिकारियों के समक्ष दो दलों के नाम दर्ज करा दिए हैं। सूत्रों ने कहा कि दो पार्टियों के नाम-प्रगतिशील कांग्रेस और राज जन संघर्ष पार्टी-पंजीकृत किए गए हैं। कहा जा रहा है कि पायलट 11 जून को अपने पिता राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर दौसा में बड़ी राजनीतिक रैली करने वाले हैं। इसी दौरान वह नई पार्टी का ऐलान कर सकते हैं। हालांकि, पायलट ने अभी तक कोई घोषणा नहीं की है। राजनीतिक पंडितों के अनुसार, चूंकि पायलट के पास फिलहाल बहुत ज्यादा कोई विकल्प नहीं है, इसलिए वह उनके आंदोलन को आगे बढ़ाने और फिर 11 जून को एक नई पार्टी की घोषणा करने की रणनीति तैयार कर रहे हैं।

अखिलेश ने उत्तरप्रदेश में शुरू की लोक जागरण यात्रा

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनावों के लिए तमाम राजनीतिक दल कमर कस रहे हैं। उत्तर प्रदेश में सत्तारुढ़ भाजपा टिफिन पर चर्चा कार्यक्रमों के जरिये जहां कार्यकर्ताओं के साथ नियमित संवाद कर रही है वहीं मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी ने भी लोक जागरण यात्रा के जरिये चुनावी तैयारी का बिगुल बजा दिया है। लखीमपुर खीरी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सामाजिक न्याय और जातीय जनगणना कराने की मांग और नारे के साथ लोक जागरण यात्रा की शुरुआत की। बड़ी संख्या में मौजूद सपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश ने कहा कि यूनिवर्सिटियों में एक ही रंग, एक ही विचारधारा के लोगों को बैठाकर नौकरियों पर हमला हो रहा है। इन सब चीजों से जनता को जागरूक करने के लिए समाजवादी पार्टी के इसी तरह के कार्यक्रम लगातार चलते रहेंगे।

चुनाव हमारा हक, लेकिन हम इसके लिए घुटने नहीं टेक रहे

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि चुनाव आयोग को लोगों को यह बताने की हिम्मत जुटानी चाहिए कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव क्यों नहीं हो रहे हैं। अब्दुल्ला ने पार्टी मुख्यालय के बाहर संवाददाताओं से कहा, क्या उन पर (चुनाव आयोग) चुनाव नहीं कराने का दबाव है? चुनाव आयोग को कुछ साहस दिखाने दें और कहें कि वे दबाव में हैं। कुछ गड़बड़ है। पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि चुनाव आयोग से पूछा जाना चाहिए कि वह जम्मू-कश्मीर में कब चुनाव कराने की योजना बना रहा है। उमर अब्दुल्ला ने साफ तौर पर कहा कि चुनाव हमारा हक है, जम्मू-कश्मीर के लोग चुनाव चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव आयोग पर कोई दबाव है तो वे कहें कि हम पर दबाव है और हम चुनाव नहीं करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हालात ख़राब हो चुके हैं, जी20 का आयोजन कर हालात पर पर्दा डालने की कोशिश की जा रही। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि मीडिया को हमसे ज्यादा चुनावों की चिंता है।

आगामी चुनाव के लिए संगठन को मजबूत करेगी जेडीएस

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कुछ खास सफलता हासिल करने में नाकामयाब रही जेडीएस अब अपने संगठन को मजबूत करने में जुट गई है। इसको लेकरे पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस प्रमुख एचडी देवेगौड़ा ने बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि 2024 को लेकर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। वहीं, पार्टी के एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि हमारी प्राथमिकता अपनी पार्टी को अपने दम पर विकसित करना है और फिलहाल हम इसी पर ध्यान केंद्रीत कर रहे हैं। विपक्षी एकता को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस प्रमुख एचडी देवेगौड़ा ने कहा कि हमारी पार्टी ने फैसला लिया है कि हम सबसे पहले स्थानीय निकाय चुनाव के लिए अपने संगठन को मज़बूत करेंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमने लोकसभा के मुद्दे पर कोई फैसला नहीं किया है। जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हमेशा अलग तरह के नतीजे आते हैं।

रेल बजट को केंद्रीय बजट से जोड़ना राजग सरकार की सबसे बड़ी भूल

नैतिक आधार पर वैष्णव को रेल मंत्री के पद से देना चाहिए इस्तीफा : मोइली

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह ओडिशा के बालासोर में हुए दर्दनाक ट्रेन हादसे के बाद विपक्ष सरकार के खिलाफ हमलावर है। कांग्रेस ने जहां पहले विरोध करते हुए रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से इस्तीफा मांगा था वहीं, अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली ने 2017 में रेल बजट को केंद्रीय बजट से जोड़ने के सरकार के फैसले पर सवालिया निशान खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि रेल बजट को केंद्रीय बजट से अलग रखा जाना चाहिए। 2017 से रेल बजट को केंद्रीय बजट से जोड़ने की शुरुआत करना एनडीए सरकार की बड़ी भूल है।

केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए मोइली ने कहा कि वे बुलेट ट्रेन की बात कर रहे हैं, जबकि न तो बुनियादी चीजों में सुधार किया गया है और न ही पर्याप्त आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी की व्यवस्था की गई है। उन्होंने आगे कहा कि रेल बजट को केंद्रीय बजट के साथ जोड़ने से रेलवे का ध्यान भटक गया है। यह एनडीए सरकार द्वारा की गई एक बड़ी भूल है। सुरक्षा और आधुनिकीकरण को ध्यान में रखे बिना केवल हाई-स्पीड ट्रेनों पर ध्यान केंद्रित करना जल्दबाजी में उठाया गया कदम है। पहले की तरह रेल बजट को अलग रखना आवश्यक है। इस दौरान उन्होंने यह भी मांग की कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को नैतिक आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। रेलवे तेज आवाजाही और विशाल नेटवर्क के साथ मजबूत परिचालन पारिस्थितिकी तंत्र का हकदार है। ऐसा नेटवर्क सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है।

इसके लिए सरकार को बुनियादी ढांचे के सुधार पर ध्यान देना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि आम बजट में आने के बाद से रेलवे अपने हिस्से की सुरक्षा निधि सृजित करने में सक्षम नहीं है। हमें उनके राजस्व में विविधता लाने, बजटीय आवंटन बढ़ाने और इसका उचित और पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

बालासोर ट्रेन हादसे पर सीएम ममता बनर्जी ने रेल मंत्री पर साधा निशाना

ओडिशा के बालासोर में हुए ट्रेन हादसे के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दुर्घटनास्थल का जायजा लेने पहुंची थी। उन्होंने वहां इस हादसे में ओडिशा सरकार की हरसंभव मदद करने का वादा भी किया था। ममता बनर्जी ने मंगलवार को इस हादसे पर बात करते हुए कहा कि ओडिशा और पश्चिम बंगाल की सरकार मिलकर काम कर रही है। उन्होंने कहा- %वे मुफ्त में चिकित्सा उपलब्ध करा रहे हैं। पश्चिम बंगाल के 103 लोगों की इस हादसे में मौत हुई है तो वहीं 97 लोगों का अस्पताल में इलाज जारी है। इस हादसे के बाद 31 लोगों की तलाश अभी भी जारी है।

ममता ने रेल मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि इस हादसे में बहुत लोगों की जान चली गई। सच्चाई सबके सामने आना चाहिए। शुक्रवार को हुए इस हादसे के बाद तृणमूल कांग्रेस ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से इस्तीफा देने की मांग भी की थी। ट्रेन हादसे में घायल हुए लोगों से मिलने ममता बनर्जी कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भी पहुंची। बालासोर ट्रेन हादसे में करीब 277 लोगों की मारे गए थे, तो वहीं 850 के लगभग घायल हुए थे।

रेल मंत्री से इस्तीफे की मांग गलत : एचडी देवगौड़ा

बेंगलुरु। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने मंगलवार को भाजपा सरकार की तारीफ की। उन्होंने बालासोर रेल हादसे के बाद किए गए राहत और बचाव कार्य के लिए रेल मंत्री को भी सराहा है। जनता दल (सेकुलर) के प्रमुख देवगौड़ा ने कहा कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बहाली और हादसे के कारण हुए नुकसान को जल्द सही करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। रेल मंत्री ने अपना सर्वोच्च दिया है। इसके बाद भी उनके इस्तीफे की मांग करना गलत है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद विपक्ष के एकजुट होने वाले सवाल पर पूर्व पीएम ने कहा कि हमने अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है। अभी हमारा पूरा ध्यान निकाय और पंचायत चुनाव पर केंद्रित है।

सीबीआई ने शुरू की ट्रेन हादसे की जांच, प्राथमिकी दर्ज

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने बालासोर रेल दुर्घटना मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद जांच अपने हाथ में ले ली है। अधिकारियों को प्रारंभिक जांच में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के साथ छेड़छाड़ के संकेत मिलने और दुर्घटना के पीछे तोड़फोड़ की आशंका जताए जाने के बाद केंद्रीय जांच एजेंसी को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई। गौरतलब है कि इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के जरिए ट्रेन की मौजूदगी का पता लगता है। अधिकारियों ने कहा कि एजेंसी को मामले की तह तक जाने के लिए रेल सुरक्षा और फॉरेंसिक विशेषज्ञों की मदद की आवश्यकता हो सकती है, क्योंकि रेलवे के कामकाज के संबंध में उसके पास बहुत कम विशेषज्ञता है। केंद्रीय एजेंसी ने तीन जून को बालासोर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) द्वारा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 337, 338, 304ए (लापरवाही से मौत) और 34 (समान मंशा), और रेलवे अधिनियम की धारा 153 (रेलवे यात्रियों के जीवन को खतरे में डालने वाला कृत्य), 154 और 175 (जीवन को खतरे में डालना) के तहत दर्ज प्राथमिकी को अपने हाथ में ले लिया। प्रक्रिया के अनुसार, सीबीआई स्थानीय पुलिस के मामले को अपनी प्राथमिकी के रूप में फिर से दर्ज करती है और जांच शुरू करती है। केंद्रीय एजेंसी अपनी जांच के बाद दाखिल आरोपपत्र में प्राथमिकी से आरोप जोड़ या हटा सकती है।

आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा की बैठक

- 2024 से पहले भाजपा की बड़ी तैयारी 10 घंटे तक चली शीर्ष नेताओं की बैठक

नईदिल्ली। 2024 चुनाव से पहले भाजपा अपनी तैयारियों में जुट चुकी है। भाजपा के शीर्ष नेताओं की एक बैठक हुई है। यह बैठक 10 घंटे से भी ज्यादा समय तक चली है। इस बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महासचिव बीएल संतोष मौजूद रहे। इस बैठक में आने वाले चुनाव को लेकर मंथन किया गया। साथ ही साथ कई बड़े निर्णय भी लिए गए हैं।

सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक भाजपा की बैठक लगभग 10 घंटे तक चली। इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और संगठित मुद्दों पर चर्चा हुई है। साथ ही साथ अगले लोकसभा चुनाव के लिए किस तरीके से अभी से ही तैयारी शुरू की जाए, इसको लेकर कि नेताओं के बीच चर्चा हुई है। सूत्रों का दावा है कि इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं जिसमें कई प्रदेश अध्यक्षों को बदलने की तैयारी है। साथ ही साथ कई प्रदेश के प्रभारियों को भी बदला जा सकता है। कई नेताओं को संगठन की जिम्मेदारी भी सौंपी जा सकती है। चुनाव के मद्देनजर भाजपा कई बड़े फैसले कर सकती है।

सरकार के कामकाज पर जोर

खबर यह भी है कि संघ के नेताओं से भी भाजपा के नेता मुलाकात कर सकते हैं। इसके अलावा मोदी सरकार के 9 साल के कामकाज को लोगों तक कैसे पहुंचाया जाए, इस पर भी जोर देने की बात की गई है और जनसंपर्क अभियान में तेजी लाने पर भी फोकस किया गया है। बैठक में पार्टी के विस्तार के अलावा मिशन साउथ पर भी चर्चा हुई है। दक्षिण भारत में लगातार भाजपा अपने जनाधार को बढ़ाना चाहती है। लेकिन कहीं ना कहीं कर्नाटक चुनाव से बड़ा झटका लगा है। वही, गठबंधन को लेकर भी चर्चा हुई है। हाल के दिनों में उपेंद्र कुशवाहा, एकनाथ शिंदे और चंद्रबाबू नायडू जैसे बड़े नेताओं ने भाजपा नेताओं से मुलाकात की है।

आठवले ने महाराष्ट्र मंत्रिमंडल विस्तार में मंत्री पद की मांग की

नागपुर। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने मंगलवार को कहा कि उनके नेतृत्व वाली आरपीआई (ए) ने महाराष्ट्र मंत्रिमंडल विस्तार के समय मंत्री पद की मांग की है। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) कोटे से 2024 के चुनाव में कम से कम दो लोकसभा सीट (महाराष्ट्र में कुल 48 में से) और 10 से 15 विधानसभा सीट की मांग करेगी। केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''आरपीआई (ए) को महाराष्ट्र में अगले मंत्रिमंडल विस्तार में मंत्री पद मिलना चाहिए। मैंने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ इस पर चर्चा की थी। मैं उनसे फिर से मिलूंगा। मुझे लगता है कि हमें भी सत्ता साझा करने का अवसर मिलना चाहिए।'' सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना के सदस्यों के बीच मंत्रिमंडल के विस्तार का बेसब्री से इंतजार है। पिछले साल जून में सत्ता में आने के बाद नौ अगस्त को शिंदे-फडणवीस सरकार में 18 मंत्रियों को शामिल किया गया था, जबकि नियमों के मुताबिक राज्य मंत्रिमंडल में अधिकतम 43 सदस्य हो सकते हैं। हालांकि, शिंदे और फडणवीस ने मंत्रिमंडल के विस्तार के लिए कोई तारीख नहीं बताई है। इससे पूर्व, महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता शंभूराज देसाई ने कहा कि बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार राज्य विधानसभा के मॉनसून सत्र या उससे भी पहले हो जाएगा।

खेल
प्रमुख समाचार

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल मुकाबला आज से

ओवल। सात जून (7-11 जून) से लंदन के ओवल में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल होने जा रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया दूसरे चक्र में आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप खिताब के लिए भिड़ने के लिए तैयार हैं। 12 जून 2023 रिजर्व डे है। ऑस्ट्रेलिया 2021-23 चक्र में 19 टेस्ट में 66.67 अंक प्रतिशत (पीसीटी) के साथ डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में शीर्ष पर रहा, जबकि भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कंगारुओं को 2-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ डब्ल्यूटीसी 2021 फाइनल हार गया था। केन की टीम ने विराट कोहली की टीम को आठ विकेट से हराकर उद्घाटन चैंपियन बनी थी।

12 जून आरक्षित दिन होगा

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए अंपायरों द्वारा ऑन-फील्ड सॉफ्ट सिग्नल को खत्म कर दिया गया है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल ग्रेड 1 ड्यूक गेंद का उपयोग करके खेला जाएगा। भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल दोपहर 3:30 बजे (स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे) से शुरू होगा। 12 जून आरक्षित दिन होगा।

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट, इशान किशन (विकेटकीपर)।

ऑस्ट्रेलिया-पैट कमिंस (कप्तान), मार्कस हैरिस, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, स्टीवन स्मिथ, डेविड वार्नर, मारनस लाबुस्चगने, कैमरन ग्रीन, एलेक्स केरी, जोश इंगलिस, स्कॉट बोलैंड, नाथन लियोन, टॉड मर्फी, मिशेल स्टार्क, माइकल नेसर।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

बढ़त के साथ बंद हुए शेयर बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी स्थिर

नईदिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच आज घरेलू शेयर बाजार में मामूली तेजी देखने को मिली। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुए। आज के कारोबार में सेंसेक्स केवल 5 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी ने भी 5 ही अंको की बढ़त दर्ज की। कारोबार के अंत में निफ्टी 18,599.00 पर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 5.41 अंक यानी 0.01 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 62,792.88 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 62,867.95 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 62,554.21 तक आया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 5.15 अंक यानी 0.03 फीसदी चढ़ा। निफ्टी दिन के अंत में 18,599.00 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,622.75 की उंचाई तक गया और नीचे में 18,531.60 तक आया।

बिना कार्ड के यूपीआई के जरिए निकलेगा एटीएम से पैसा

नई दिल्ली। भारत में एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक बैंक ऑफ बड़ौदा ने इंटरऑपरेबल कार्डलेस कैश विदड्रॉल (आईसीसीडब्ल्यू) नामक एक नई सेवा शुरू करने की घोषणा की। यह सेवा ग्राहकों को यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का उपयोग करके बैंक के एटीएम से नकदी निकालने की सुविधा देती है। बैंक ऑफ बड़ौदा इस सेवा को शुरू करने वाला पहला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक बन गया है, जो न केवल अपने ग्राहकों को बल्कि भीम यूपीआई और दूसरे एप्लीकेशन का इस्तेमाल करने वाले अन्य बैंकों के ग्राहकों को भी यह सुविधा उपलब्ध कराएगा। ऐसे ग्राहक जो मोबाइल फोन पर आईसीसीडब्ल्यू के लिए सक्षम किसी भी यूपीआई एप्लिकेशन का उपयोग करते हैं वे डेबिट कार्ड की आवश्यकता के बिना बैंक ऑफ बड़ौदा एटीएम से नकदी निकाल सकेंगे।

निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स से बाहर हो सकते हैं, जोमैटो, अडाणी जैसी बड़ी कंपनियों के शेयर

नईदिल्ली। 11 गैर-एफएंडओ शेयरों को निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स से हटाए जाने की खबरें सामने आ रही हैं। इसकी जानकारी नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने दी। अगर एक्सचेंज अपनी गणना पद्धति को बदलने का फैसला करता है, तो इन नॉन एफएंडओ स्टॉक को निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स से हटाया जा सकता है। बता दें कि ये 11 स्टॉक एवेन्यू सुपरमार्ट्स, वरुण बेवरेजेज, बजाज होल्डिंग्स, अदाणी ग्रीन एनर्जी, ज़ोमैटो, अदाणी ट्रांसमिशन, अदाणी टोटाल गैस, एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स, पीएंडजी हाइजीन, एलआईसी और अदाणी विल्मर हैं। फिलहाल इन 11 शेयरों का निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स में 9.05 फीसदी वेटेज है। निफ्टी नेक्स्ट 50, निफ्टी 50 के बाद लिक्विडिटी सिक्योरिटी के अगले चरण का प्रतिनिधित्व करता है।

पाकिस्तान सरकार का कर्ज 34 फीसदी बढ़कर 58.6 लाख करोड़ रुपये हुआ

नईदिल्ली। पाकिस्तान सरकार का कर्ज सालाना आधार पर 34.1 प्रतिशत वृद्धि के साथ अप्रैल अंत में 58.6 लाख करोड़ रुपये हो गया है। देश के केंद्रीय बैंक की हाल ही में जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। मंगलवार को प्रकाशित एक खबर के अनुसार, कर्ज में मासिक आधार पर 2.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। खबर के अनुसार, अप्रैल के अंत में घरेलू कर्ज 36.5 लाख करोड़ रुपये (62.3 प्रतिशत) है जबकि बाहरी कर्ज 22 लाख करोड़ रुपये (37.6 प्रतिशत) है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के आंकड़ों के अनुसार, सालाना आधार पर बाहरी कर्ज में वृद्धि 49.1 प्रतिशत रही। बाहरी कर्ज में एक महीने पहले भी यही आंकड़ा था। घरेलू कर्ज में सबसे बड़ी हिस्सेदारी संघीय सरकार के शेयरों की है, जो लगभग 25 लाख करोड़ रुपये के ऋण हैं।

भारत के आर्थिक दर्शन के सहारे आज भी आगे बढ़ रही है हमारी अर्थव्यवस्था

प्रह्लाद सबनानी

एंगस मेडिसन दुनिया के जाने माने ब्रिटिश अर्थशास्त्री इतिहासकार रहे हैं। आपने विश्व के कई देशों के आर्थिक इतिहास पर गहरा अनुसंधान कार्य किया है। भारत के संदर्भ में आपका कहना है कि एक ईस्वीं के पूर्व से लेकर 1700 ईस्वीं तक भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित था। प्राचीन भारत में अतुलनीय आर्थिक प्रगति, भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार चलायी जा रही आर्थिक नीतियों के चलते ही सम्भव हो सकी थी। भारत में पिछले 9 वर्षों के दौरान भारतीय आर्थिक दर्शन के सहारे किए गए कई आर्थिक निर्णयों के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था का इंजन पुनः अब तेज गति से पटरी पर दौड़ने लगा है। लगभग समस्त अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भी लगातार बता रहे हैं कि आगे आने वाले समय में भारत में आर्थिक विकास की दर पूरे विश्व में सबसे अधिक रहने वाली है एवं आर्थिक क्षेत्र में केवल वर्तमान दशक ही नहीं बल्कि वर्तमान सदी ही भारत की रहने वाली है।

भारत में 60, 70 एवं 80 के दशकों में हम लगभग समस्त नागरिक हमारे बचपन काल से ही सुनते आए हैं कि भारत एक गरीब देश है एवं भारतीय नागरिक अति गरीब हैं। हालांकि भारत का प्राचीनकाल बहुत उज्ज्वल रहा है, परंतु आक्रांताओं एवं ब्रिटेन ने अपने शासन काल में भारत को लूटकर एक गरीब देश बना दिया था। अब समय का चक्र पूर्णतः घूमते हुए आज के खंडकाल पर आकर खड़ा हो गया है एवं भारत पूरे विश्व को कई मामलों में अपना नेतृत्व प्रदान करता दिखाई दे रहा है। साथ ही, भारत में विशेष रूप से कोरोना महामारी के बीच एवं इसके बाद केंद्र सरकार द्वारा सनातन भारतीय संस्कारों का पालन करते

हुए गरीब वर्ग के लाभार्थ चलाए गए विभिन्न कार्यक्रमों के परिणाम अब सामने आने लगे हैं। विशेष रूप से प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के अंतर्गत देश के 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज की जो सुविधा प्रदान की गई है एवं इसे कोरोना महामारी के बाद भी जारी रखा गया है, इसके परिणामस्वरूप देश में गरीब वर्ग को बहुत लाभ हुआ है। हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत में गरीबी के अनुमान पर एक वर्किंग पेपर जारी किया है। इस वर्किंग पेपर में अलग-अलग मान्यताओं के आधार पर भारत में गरीबी को लेकर अनुमान व्यक्त किए गए हैं। इस वर्किंग पेपर के अनुसार, हाल ही के समय में भारत में 1.2 करोड़ नागरिक अतिगरीबी रेखा के ऊपर आ गए हैं। वर्ष 2022 में विश्व बैंक द्वारा जारी किए गए एक अन्य प्रतिवेदन के अनुसार, वर्ष 2011 में भारत में 22.5 प्रतिशत नागरिक गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर थे परंतु वर्ष 2019 में यह प्रतिशत घटकर 10.2 रह गया है। वर्ष 2016 में भारत में अतिगरीब वर्ग की आबादी 12.4 करोड़ थी जो वर्ष 2022 में घटकर 1.5 करोड़ रह गई है। पिछले दो दशकों के दौरान भारत में 40 करोड़ से अधिक नागरिक गरीबी रेखा से ऊपर आ गए हैं। दरअसल पिछले लगभग 9 वर्षों के दौरान भारत के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिवेश में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। जिसके चलते भारत में गरीबी तेजी से कम हुई है और भारत को गरीबी उन्मूलन के मामले में बहुत बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। भारत में अतिगरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले करोड़ों नागरिकों का इतने कम समय में गरीबी रेखा के ऊपर आना विश्व के अन्य देशों के लिए एक सबक है। इतने कम समय में किसी भी देश में इतनी तादाद में लोग अपनी आर्थिक स्थिति सुधार पाए हैं ऐसा कहीं नहीं हुआ है। भारत में गरीबी का जो बदलाव आया है वह धरातल पर दिखाई देता है। इससे पूरे विश्व में भारत की छवि बदल गई है। यह भी सनातनी संस्कार ही हैं जो भारत के नागरिकों को छोटी-छोटी बचतें करना सिखाते हैं। भारतीय परम्पराओं के अनुसार हमारे बुजुर्ग हममें बचत की प्रवृत्ति बचपन में ही यह कहकर विकसित करते हैं कि भविष्य में आड़े अथवा बुरे वक्त के दौर में, पुराने समय में की गई बचत का बहुत बड़ा सहारा मिलता है।

क्रमशः ...

नीतीश के बारे में विपक्ष की शंकाएं बरकरार

उमेश चतुर्वेदी

क्या 2024 के आम चुनावों में मोदी विरोधी मुहिम की अगुआई नीतीश कुमार को मिलने में पेच फंसने लगा है? मोदी के खिलाफ विपक्षी गोलबंदी की अगुआई को लेकर क्या गतिरोध पैदा हो गए हैं? क्या कांग्रेस विपक्षी गोलबंदी में खुद की अगुआई का संदेश देने लगी है? ऐसे कई सवालों की वजह बना है 12 जून को पटना में होने वाली विपक्षी बैठक का टल जाना। जिस तरह नीतीश कुमार और उनके डिप्टी तेजस्वी इस रैली को लेकर उत्साहित थे, उससे लगता यही था कि इस रैली के बाद विपक्ष मौजूदा केंद्रीय सत्ता के खिलाफ गोलबंद होगा, जिस तरह 49 साल पहले पटना में ही हुई रैली के बाद तत्कालीन इंदिरा सरकार के खिलाफ मुहिम शुरू हुई थी। यह भी अनुमान लगाया जा रहा था कि इसके बाद अपने धवल राजनीतिक दामन के चलते नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विरोधी मुहिम के स्वाभाविक नेता के तौर पर उभरेंगे। लेकिन बैठक का टलना बताता है कि विपक्षी खेमे में सब कुछ वैसे नहीं चल रहा है, जैसा नीतीश के उत्साही समर्थक सोच रहे थे। दरअसल कांग्रेस इस बैठक से किनारा करने लगी थी। पहले की व्यस्तता के बहाने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया था, वहीं कांग्रेस के गैर संवैधानिक प्रमुख राहुल गांधी के बारे में पता ही है कि अपनी अमेरिका यात्रा के चलते बैठक में वे शामिल नहीं हो पाएंगे। इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन भी इस बैठक में शामिल न होने के लिए अपनी किसी व्यस्तता का बहाना बना चुके हैं। ऐसे में बैठक का टलना ही था। नरेंद्र मोदी के खिलाफ नीतीश कुमार ने कुछ वैसे ही शिखा बांध ली है,जैसे उनके ही मगध के प्राचीन कालीन राजनीतिज्ञ चाणक्य ने तत्कालीन मगध सम्राट नंद के खिलाफ बांध ली थी। कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के पहले तक ऐसा लग रहा था कि मोदी के खिलाफ आक्रामक अभियान में नीतीश की अगुआई को कुछ किंतु-परंतु के बाद विपक्षी खेमा स्वीकार कर लेगा। लेकिन 13 मई को आए कर्नाटक विधानसभा चुनाव नतीजों ने स्थितियां बदल दी हैं। हार-दर-हार हलकान रही कांग्रेस को मिली बड़ी जीत ने उसकी सोच को बदल दिया है। इसमें दो राय नहीं कि अब भी भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी चुनौती कांग्रेस ही है, लेकिन अतीत की हारों से वह मोदी विरोधी गोलबंदी की अगुआई से हिचक रही थी। लेकिन कर्नाटक ने उसके खोए हुए आत्मविश्वास को वापस लौटा दिया है। ऐसे में भला वह क्यों स्वीकार करने लगी कि किसी छोटे से दल का नेता उसकी अगुआई करे? ऐसा नहीं कि कांग्रेस पहले नहीं चाहती थी कि विपक्ष का नेतृत्व वही करे। उसकी इस मंशा को ममता बनर्जी भांप रही थीं। वैसे भी ममता पूर्व कांग्रेसी हैं और वे कांग्रेस के मानस को ठीक से समझती हैं। इसीलिए उन्होंने ही नीतीश कुमार को पटना में बैठक कराने का सुझाव दिया था। बहाना बना था 1974 का बिहार आंदोलन, तब बिहार से ही इंदिरा विरोधी रणभेरी फूंकी गई थी। ममता को लगता था कि पटना की बैठक के बाद नीतीश की अगुआई पर परोक्ष मुहर लग जाएगी और इस बहाने कांग्रेस पर दबाव भी बनेगा कि जिन राज्यों में स्थानीय दल ताकतवर हैं, वहां कांग्रेस उनकी मदद करे। ममता को लगता था कि अगर कांग्रेस अपने हाथ में नेतृत्व रखेगी तो मोदी विरोधी चुनावी संग्राम में वह ताकतवर क्षेत्रीय दलों के राज्यों में भी अपने ढंग से गठबंधन थोपने की कोशिश करेगी। इससे स्थानीय दलों के प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है। लगता है कि कांग्रेस ममता की इस रणनीति को भी भांप गई और उसने पटना बैठक में शामिल न होने के लिए बहानों की फेहरिस्त पेश कर दी। इसलिए नीतीश का त्यागी दांव भी काम नहीं आ रहा है। दो महीने पहले नीतीश के सिपहसालार राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन ने अपनी अध्यक्षता में जनता दल यू की कार्यकारिणी का गठन किया था, लेकिन तब पार्टी के बड़े नेताओं में शुमार केसी त्यागी को कोई जगह नहीं मिली थी। ऐसा नहीं हो सकता कि त्यागी की रूखसती बिना नीतीश की मर्जी के हुई होगी। नीतीश भी जनता दल यू के वैसे ही आलाकमान हैं जैसे वंशवादी दलों का आलाकमान होता है। जनता दल यू में भी अध्यक्ष की हैसियत नीतीश के सामने कुछ भी नहीं है। लेकिन मोदी विरोधी अभियान छेड़ने के बाद उन्हीं केसी त्यागी की उपयोगिता नीतीश कुमार को समझ आने लगी।

मुस्लिम वोटबैंक की मारी ममता

समीर चौगांवकर

उड़ीसा के बालासोर में हुई दुखद ट्रेन दुर्घटना के बाद वहां ममता बनर्जी इसलिए गयी थीं क्योंकि इसमें से एक ट्रेन यशवंतपुर हावड़ा एक्सप्रेस थी। लेकिन वहां पहुंचकर भी वो दुख की ऐसी घड़ी में राजनीतिक बयान देने से अपने आप को नहीं रोक सकीं। उन्होंने गोधरा ट्रेन दुर्घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि जो लोग (भाजपा वाले) इतिहास बदल सकते हैं वो (मरनेवालों) की संख्या भी बदल सकते हैं। गोधरा में एक चलती ट्रेन में आग कैसे लग गयी थी? इतने लोग कैसे मर गये थे? उन्हें माफी मांगनी चाहिए। ममता बनर्जी का यह बयान बालासोर ट्रेन दुर्घटना में मारे गये या घायल लोगों के जले पर नमक छिड़कने जैसा था। लेकिन राजनीति में नेता का बयान अपने वोटबैंक को लेकर दिया जाता है। कम से कम मुस्लिम वोटबैंक की राजनीति करने वाले इस बात को कभी नहीं भूलते। ममता बनर्जी भला यह कैसे भूल जाएंगी? खासकर तब हाल फिलहाल में उन्होंने मुस्लिम वोटबैंक को कांग्रेस की ओर खिसकते देखा हो।

कर्नाटक में कांग्रेस की प्रचंड जीत भाजपा को हराकर हुई लेकिन हवा खराब हो गयी ममता बनर्जी की। इसका कारण था कर्नाटक में कांग्रेस को मिला मुसलमानों का एकतरफा वोट। इसके बाद से ही ममता बनर्जी को इस बात का भय सता रहा है कि कही कांग्रेस बंगाल में उनके मुस्लिम वोट बैक में से कुछ हिस्सा न हड़प ले। हालांकि बंगाल के मुसलमान यह जानते हैं कि सत्ता में काबिज ममता उनके लिए उग्र हिन्दुत्व से सुरक्षा का सबसे बड़ा कवच है। लेकिन बंगाल के मुसलमान इस बात पर भी विचार कर सकते हैं कि विधानसभा चुनाव में तो ममता बनर्जी की पार्टी को वोट दें जबकि आमचुनाव में राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस का चुनाव कर लें। लोकसभा चुनाव में 9 माह का समय है। ऐसे में कर्नाटक में उभरे मुस्लिम सेंटिमेंटस का कुछ हिस्सा बंगाल में न पहुंच जाए। इसी डर ने ममता बनर्जी को कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद तुरंत यह बयान देने के लिए मजबूर कर दिया कि जो पार्टी जिस राज्य में मजबूत है, वहां कांग्रेस को उसे मदद करना चाहिए। ममता यहां तक नहीं रूकी। ममता ने तुरंत अपने मुस्लिम विधायकों और सांसदो की बैठक आहुत कर अपने-अपने क्षेत्र मे तृणमूल कांग्रेस द्वारा भाजपा को रोकने और मुस्लिम समाज के पक्ष में लिए गए निर्णय को जमीनी स्तर पर बताने के निर्देश दिए हैं। ममता के डर को बढ़ाने में बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार के उस बयान ने भी भूमिका निभाई जिसमें उन्होंने कहा कि %बंगाल के मुसलमानों को कांग्रेस से टूटकर बनी तृणमूल कांग्रेस के अलावा असली कांग्रेस पर भी विचार करना चाहिए।% बंगाल में ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत बंगाल की 27.5 फीसद मुस्लिम आबादी (2011 की जनगणना के मुताबिक) है। 2021 में बंगाल की सत्ता में वापसी के बाद से ममता बनर्जी ने अल्पसंख्यक केंद्रित योजनाओं के लिए बजट में भारी-भरकम आवंटन कर यह बताने की कोशिश की है कि अल्पसंख्यकों का तृणमूल से बढ़कर कोई हितैषी नहीं है। सीएए और एनआरसी के खिलाफ आवाज बुलंद कर ममता ने अपने मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के हरसंभव प्रभाव किए हैं।

इधर कांग्रेस के साथ साथ भाजपा भी ममता के मुस्लिम वोट बैक में सेध लगाने का हरसंभव प्रयास कर रही है। भाजपा ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए जिन 65 मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्र को टार्गेट किया है उसमें से 13 सीटें बंगाल से हैं। भाजपा इन मुस्लिम क्षेत्रों में मोदी मित्र अभियान और मुस्लिम स्नेह सम्मेलनों के मार्फत मोदी सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के लिए किए गए कामों को पहुंचाने में जुटी है।

भाजपा ने ममता पर लगातार हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाकर हिन्दू मतों को अपने ओर मोड़ने में कुछ हद तक सफलता भी पायी है। 2019 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की 42 में से 18 सीटें जीत कर भाजपा राज्य की सबसे प्रमुख विपक्षी पार्टी बन गई। इस चुनाव के तुरंत बाद हुए सीएसडीएस लोकनीति के सर्वे ने बताया कि टीएमसी को हिंदुओं के महज 22 फीसद वोट मिले, जबकि 67 फीसद भाजपा के खाते में गए। ममता बनर्जी इस बात को समझती हैं कि भाजपा के वोट बैक में सेंध लगाना तृणमूल के बस की बात नही है, लेकिन भाजपा और कांग्रेस तृणमूल कांग्रेस के वोट बैंक के कुछ हिस्से में सेंध लगा सकते हैं।

अब भाजपा की कोशिश ममता को मिले 22 फीसदी हिन्दू मतों मे से पांच प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सा अपनी तरफ डायवर्ट करने की है। इसलिए भाजपा लगतार ममता को मुस्लिम चेहरे के रूप में बताने की कोशिश कर रही है। बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और सांसद दिलीप घोष ने इस लेख के लेखक से कहा कि ममता के मुस्लिम वोट बैक में सेंध लगाने से आसान हमारे लिए ममता के 22 फीसदी हिन्दू मतों में सेंध लगाना होगा और हम इसी पर ध्यान दे रहे हैं। इसके साथ दिलीप घोष यह भी कहते हैं कि मोदी सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के लिए किए कामों को देखते हुए बंगाल के राष्ट्रवादी और प्रोग्रेसिव मुसलमान 2024 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट करेंगे। दिलीप घोष ने यह भी कहा कि बंगाल का मुस्लिम मतदाता जो एक समय कांग्रेस और लेफ्ट पार्टी के साथ था, तृणमूल को छोड़कर वापस कांग्रेस की ओर जा सकता है। ममता बनर्जी इसी बात से परेशान और डरी हुई हैं। भाजपा सांसद के इस आकलन में कुछ सच्चाई भी नजर आती है। कुछ माह पूर्व 61 फीसद मुस्लिम आबादी वाले मुर्शिदाबाद जिले की सागरदिघी सीट पर उपचुनाव हुआ था। उसमें टीएमसी की हार और वाम समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी की जीत हुई थी। उसके बाद मुस्लिम वोटबैंक के कांग्रेस और वाम दलों की ओर खिसकने की आशंकाओं से घिरी ममता तुरंत एक्शन में आ गई। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री पद से गुलाम रब्बानी को हटाकर यह प्रभार खुद मुख्यमंत्री ने अपने पास ले लिया है। मुसलमान तृणमूल का मूल मतदाता बना रहे और साथ में हिन्दू भी ममता को वोट करे इसके लिए ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी 25 अप्रैल से दो महीने की जनसंपर्क यात्रा शुरू कर चुके हैं। ममता बनर्जी भी अपनी हिन्दू विरोधी छवि को दूर करने का प्रयास करती रही हैं। ममता के चंडी श्लोक का जाप करने और खुद को कट्टर ब्राह्मण पृष्ठभूमि का बताने से लेकर बंगाल में जगन्नाथ और वैष्णो देवी मंदिरों की प्रतिकृतियां बनाने और हुगली के किनारे वाराणसी की गंगा आरती के आयोजन के फैसलों तक तृणमूल कांग्रेस हिंदुओं को रिझाने के भी सारे हथकंडे अपना रही है। जुलाई 2022 में इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में जब टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने मां काली के मासांहारी और मदिरा स्वीकार करने वाली देवी होने के अपने निजी विश्वास को लेकर एक बेहूदा बात कही, तो टीएमसी ने खुद को मोइत्रा के विचारों से अलग करने में जरा देर नहीं की। एक बयान में उसने कहा, महुआ मोइत्रा की कही बात का पार्टी किसी भी रूप से अनुमोदन नहीं करती।

ममता बनर्जी की सरकार बंगाल में गंगासागर तीर्थस्थल, सागर द्वीप, बंगाल की खाड़ी पर पांच नए मंदिर बना रही है। मंदिरों के निर्माण के लिए 4,000 वर्ग फुट का इलाका तय करके इसे बंगाल के मंदिर- एक आध्यात्मिक यात्रा नाम दिया गया है। यह इलाका कालीघाट, तारापीठ, माल्दा की जहुरा काली, दक्षिणेश्वर और ताड़केश्वर से मिलता-जुलता होगा। ममता भाजपा के आक्रामक प्रचार के बाद दुविधा में है इसलिए मुस्लिम वोट के साथ हिंदू वोट पर भी नजर रख रही हैं। ममता बनर्जी को 2021 के विधानसभा चुनाव में उम्मीद की किरण नजर आ ही चुकी है जिसमें टीएमसी के हिंदू वोटों में सात फीसद का इजाफा हुआ और भाजपा के हिंदू वोटों में इतनी ही गिरावट आई थी। लेकिन इसके बाद रामनवमी और हनुमान जयंती पर जिस तरह से हिन्दू विरोधी दंगे हुए उसके बाद भी उनकी यह बढ़त जारी रहेगी इसे देखने के लिए थोड़ी प्रतीक्षा करनी होगी। फिलहाल तो वो दो ऐसी नावों पर सवारी करने की कोशिश कर रही हैं जो विपरीत दिशाओं की ओर जा रही हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

गरुडोपनिषद् (भाग-2)

गतांक से आगे...

(हथेलियों और उनके पृष्ठ भागों का परस्पर स्पर्श) इसी तरह से दाहिने हाथ की पाँचों अँगुलियों से हृदयादि (शिर, शिखा, कवच, नेत्रादि) का भी न्यास (स्पर्श) करना चाहिए। भूः भुवः स्वः तथा व्याहृतियों एवं प्रणव से दिग्बन्धन की क्रिया सम्पन्न करनी चाहिए। (अब ध्यान का वर्णन करते हैं, नीचे लिखे लोकों को श्रद्धा पूर्वक पढ़ते हुए गरुड़ के ध्यान की क्रिया सम्पन्न करें-ध्यानम्। ध्यान-जिनका दाहिना पैर स्वस्तिक के आकार के सदृश है, बायाँ पैर घुटने तक सिकोड़ कर रखा है। जिन्होंने दोनों हाथों को प्रणाम की मुद्रा में जोड़ रखा है, जो विष्णुवल्लभ हैं। जिन्होंने अनन्त नामक नाग को बायें हाथ में कड़े के रूप में धारण कर रखा है। यज्ञोपवीत के रूप में वासुकि को धारण किया है। तक्षक को करधनी के रूप में और कर्कोट को गले में हार के सदृश धारण किया है।

पद्म नामक नाग को दाहिने कान में और महापद्म को बायें कान में आभूषण की भाँति धारण कर रखा है। शंख नामक नाग को सिर पर एवं गुलिक (नाग) को भुजाओं के मध्य में धारण कर रखा है। पौण्ड्र एवं कालिक नागों को चँवरों के रूप में प्रयुक्त किया गया है। एला तथा पुत्रक आदि नागों के द्वारा प्रसन्नतापूर्वक जिनकी सेवा की जाती है। कपिल वर्ण सदृश नेत्र सुवर्ण के समान कान्ति वाले, लम्बी भुजाओं वाले, चौड़े (विशाल) कन्धे वाले, नागों के अलंकारों से विभूषित, जानु पर्यन्त सुवर्ण के समान कान्ति वाले तथा कटि पर्यन्त हिम के समान श्वेत प्रभा वाले, कुंकुम के समान लाल शरीर वाले सैकड़ों चन्द्रमाओं के समान मुख- कान्ति वाले, जिनकी नासिका का अग्रभाग तथा मुख मण्डल नील वर्ण का है।

विशाल कुण्डलों से युक्त जिनके कान हैं। भयंकर दाढ़ों से युक्त विकराल मुख वाले, अत्यन्त देदीप्यमान मुकुट धारण करने वाले, कुंकुम लगाने से लाल अंग वाले, कुन्द पुष्प एवं चन्द्र के सदृश धवल मुख वाले, हे विष्णु के वाहन गरुड़देव ! आपको नमस्कार है। आप सदैव हमारा कल्याण करें। इस प्रकार तीनों संध्याओं में नागों से अलंकृत गरुड़ का ध्यान करना चाहिए। (इससे प्रसन्न होकर वे गरुड़देव) रुई के ढेर को, अग्नि के द्वारा दग्ध करने के सदृश विष को शीघ्र ही विनष्ट कर देते हैं।

क्रमशः ...

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस

प्रियंका सौरभ

रोटी, कपड़ा और मकान को मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताएं कहा जाता है। इन मूलभूत आवश्यकताओं की आवश्यकता को पूरा करने के लिए इंसान बहुत मेहनत करता है। भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां आम जनता को सुरक्षित भोजन के महत्व के बारे में पर्याप्त जानकारी प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने अपनी दो एजेंसियों, खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों का नेतृत्व करने के लिए सौंपा है। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस (डब्ल्यूएफएसडी) 7 जून को मनाया जाता है।

सामान्य रूप से किसी खाद्य पदार्थ में कोई बाहरी तत्व मिला दिया जाए या उसमें से कोई मूल्यवान पोषक तत्व निकाल लिया जाए या भोज्य पदार्थ को अनुचित ढंग से संग्रहीत किया जाए तो उसकी गुणवत्ता में कमी आ जाती है। इसलिए उस खाद्य सामग्री या भोज्य पदार्थ को मिलावटयुक्त कहा जाएगा। भारत सरकार द्वारा खाद्य सामग्री की मिलावट की रोकथाम तथा उपभोक्ताओं को शुद्ध आहार उपलब्ध कराने के लिए सन् 1954 में खाद्य अपमिश्रण अधिनियम (पीएफए एक्ट 1954) लागू किया गया।

उपभोक्ताओं के लिए शुद्ध खाद्य पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित करना स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की जिम्मेदारी है। इस समय मूल खाद्य पदार्थ तथा मिलावटी खाद्य पदार्थ में भेद करना काफी मुश्किल है। अपमिश्रित आहार का उपयोग करने से शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और शारीरिक विकार उत्पन्न होने की आशंका बढ़ जाती है। मिलावटी पदार्थों से बचने और अपमिश्रण की पहचान के लिए प्रशासन के साथ-साथ हमें भी जागरूक होने की जरूरत है। खाद्य अपमिश्रण एक अपराध है। खाद्य अपमिश्रण अधिनियम,1954 के अंतर्गत किसी भी व्यापारी या विक्रेता को दोषी पाये जाने पर कम से कम 6 महीने का कारावास, जो कि तीन वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है, का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त मानदण्ड का भी प्रावधान है। खाद्य पदार्थों में मानव स्वास्थ्य के लिए अहितकर है और इसका रोकथाम में उपभोक्ताओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक उपभोक्ता (विशेषकर गृहिणियों) को अपमिश्रण से बचने हेतु जागरूक होना चाहिए। इसके लिए कुछ आवश्यक बिंदुओं का ध्यान रखना चाहिए जैसे खुली खाद्य सामग्री न खरीदें। अधिकतर मानक प्रमाण चिन्ह (एगमार्क, एफपीओ, आईएसआई, हॉलमार्क) अंकित सामग्री खरीदें तथा खरीदे जाने वाली सामग्री के गुणों, रंग, शुद्धता आदि की समुचित जानकारी रखें। दुकानदारों व सत्यापित कम्पनियों का सामान लें तथा जहां तक हो सके पैकेज्ड सामान का उपयोग करते समय कम्पनी का नाम व पता, खाद्य पैकिंग व समाप्ति की तिथि, सामान का वजन, गुणवत्ता लेबल का अवश्य ध्यान रखें क्योंकि स्वस्थ और निरोगी जीवन ही सफलता की कुंजी है।

भारत-नेपाल संबंध को प्रभावित कर रहा नागरिकता कानून

सच्चिदानंद सच्चू

नेपाली प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड की भारत यात्रा से भारत-नेपाल के कूटनीतिक संबंधों पर जो पिछले कुछ वर्षों से बर्फ जमी थी, वह अब पिघलने लगी है। यह सर्व विदित है कि भारत और नेपाल के बीच बेटी-रोटी का संबंध है। इस संबंध पर दोनों मुल्कों के कूटनीतिक रिश्तों पर जमी बर्फ से कोई असर नहीं पड़ता रहा है। असल में यह संबंध कूटनीतिक रिश्तों की परवाह किए बगैर सदियों से फलता-फूलता रहा है और आगे भी फलता-फूलता रहेगा। बेटी-रोटी का यह संबंध दिल्ली और काठमांडू से निर्धारित नहीं होता है। सीमा के दोनों ओर रहने वाले करोड़ों लोगों की आबादी इस संबंध को सींचती रही है। अलबत्ता दिल्ली और काठमांडू के रिश्ते इसमें कभी-कभार रोड़ा अटकाने का काम जरूर करते रहे हैं। सीमा के दोनों तरफ रहने वाली करोड़ों लोगों की आबादी में बहुतायत तराई में निवास करने वाले लोगों की है, जिसे नेपाल में मधेसी कहा जाता है। नेपाल में लोकतंत्र की स्थापना हुए एक लंबा अरसा गुजर चुका है इसके बावजूद वहां आज भी मधेसियों को दोयम दर्जे का नागरिक समझा जाता है। नागरिकता संशोधन अधिनियम लागू होने से पहले लोगों को यह उम्मीद थी कि इस कानून से मधेसियों को राहत मिलेगी लेकिन इस कानून के लागू हो जाने से यह साबित हो गया है कि नेपाल में मधेसियों के साथ चल रहा भेदभाव का सिलसिला अभी रुका नहीं है।

ये मधेसी ही हैं जो भारत और नेपाल के रिश्तों के बीच की सबसे अहम कड़ी हैं। इनकी जड़ें भारत से जुड़ी हुई हैं सो नेपाल में जब भी भारत विरोधी हवा चलती है, सबसे पहले निशाने पर ये मधेसी ही होते हैं। ऐसी परिस्थिति में मधेसी भारत की तरफ आशा भरी नजरों से देखते हैं कि भारत उन्हें संकट से उबारे। लेकिन भारत एक संप्रभु देश के अंदरूनी मामले में दखलंदाजी करने से सदा बचता रहा है सो भारत ऐसी परिस्थिति में भी मधेसियों की मदद नहीं करता। पिछले वर्ष जब भारत की ओर से नेपाल की आर्थिक नाकेबंदी की गई थी, तो भी सबसे ज्यादा परेशानी इन्हीं लोगों को हुई। राशन-पानी के साथ-साथ पेट्रोलियम पदार्थ जैसी बुनियादी वस्तुओं के लिए ये लोग काफी दिनों तक तरसते रहे। नेपाल में भारत समर्थक ऐसे लोगों को भारत का दलाल या भारत का एजेंट कहकर संबोधित किया जाता है लेकिन मुझे यह याद नहीं कि नेपाल में चीन की हवा चलाने वाले लोगों को कभी इस हीन भावना से गुजरना पड़ा हो। ऐसे लोग सत्ता के शीर्ष पर हों या न हों लेकिन समाज में हमेशा सम्मानित ही रहते हैं। हालांकि ऐसे लोगों को भी चीन की विस्तारवादी नीति परेशान करती रही है।

हालांकि आर्थिक नाकेबंदी के बाद नेपाल के हुक्मरानों को यह बात अच्छे से समझ में आ गई होगी कि चीन के साथ वह चाहकर भी व्यापारिक रिश्तों को मजबूती नहीं प्रदान कर सकता। भारत के साथ जो उसके सहज व्यापारिक रिश्ते हैं, उसे ही मजबूत बनाना होगा। इसके बावजूद भारत और नेपाल के बीच हुई द्विपक्षीय बातचीत से यह मुद्दा गायब ही रहा कि नेपाल में चीन कुछ खास दिलचस्पी लेने लगा है। इन दिनों नेपाल में कई निर्माण कार्य चीन की मदद से चल रहे हैं। यह नेपाल के अस्तित्व के लिए तो खतरनाक है ही, भारत की सुरक्षा व्यवस्था के लिए भी इसे ठीक नहीं माना जाना चाहिए। हाल के दिनों में नेपाल सीमा पर विदेशी नागरिकों की गिरफ्तारी ने इस मामले में भारतीय पक्ष को अधिक चिंतित किया है। नेपाल दान लेने में अन्य देशों की तुलना में अधिक माहिर रहा है। और यही कारण है कि पाकिस्तान, जो खुद आर्थिक बदहाली की स्थिति में है, ने भी नेपाल में पुल-पुलियों के निर्माण में रुचि दिखाई है। भारतीय सीमा क्षेत्र से जनकपुर जाने वाली लगभग दस किमी लंबी सड़क पर पुल-पुलियों का निर्माण हाल ही में पाकिस्तान सरकार की मदद से हुआ है। इसके लिए वहां से इंजीनियरों की टीम आई थी। पाकिस्तान सरकार द्वारा नेपाल में पुल-पुलियों का निर्माण करना नेपाल में आम बात हो सकती है लेकिन भारत के लिए यह चिंताजनक है। क्योंकि खुली सीमा होने के कारण कोई भी आसानी से भारत में घुस सकता है और हमारी सुरक्षा व्यवस्था को खतरे में डाल सकता है। भारत-नेपाल सीमा पर विदेशी नागरिकों की पहचान जितनी आसान है, उतनी ही मुश्किल है पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करना। क्योंकि पाकिस्तानी यहां आकर अच्छी तरह हिंदी बोलते हैं और नेपाल के तराई क्षेत्र में कुछ दिनों तक रहने के कारण स्थानीय भाषा, मैथिली और भोजपुरी की समझ भी उन्हें आसानी से हो जाती है। ऐसी स्थिति में ऐसे लोगों की घुसपैठ आसानी से हमारे सीमा क्षेत्र में हो सकती है। भारत को नेपाल सरकार के समक्ष इस मुद्दे को गंभीरता से उठाना चाहिए। प्रधानमंत्री प्रचंड की भारत यात्रा के बाद यह तो तय है कि 'काला पानी' सीमा विवाद के बाद दोनों देशों के रिश्तों में जो तल्खी आई थी, वह कुछ कम होगी। नेपाल अपने लिए कुछ अतिरिक्त सहुलियतें जुटाने में कामयाब होगा। प्रचंड, जिन्हें आमतौर पर चीन का समर्थक माना जाता रहा है, उन्हें भी चीनी मदद के बाद श्रीलंका के दिवालिएपन ने जरूर कोई न कोई सबक दिया होगा। शायद यही कारण है कि अबकी बार प्रचंड ने प्रधानमंत्री बनने के बाद पहले चीन जाने की बजाय भारत आना अधिक श्रेयस्कर समझा। इसलिए सीमा के दोनों तरफ रहने वाले करोड़ों लोग इस यात्रा को आशा भरी निगाहों से देख रहे थे। ध्यान देने योग्य बात यह है कि सीमा के दोनों तरफ रहने वाले करोड़ों मधेसी इस बार भी पीएम की यात्रा से उम्मीद बांधे हुए थे। लेकिन उनकी समस्या का समाधान इस यात्रा से भी होता नहीं दिख रहा है। नागरिकता संशोधन विधेयक से जिन मधेसियों को उम्मीद थी, उस पर पानी फिर चुका है। क्योंकि नागरिकता विधेयक में संशोधन के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई है। भारत से ब्याहकर नेपाल गई लाखों बेटियां आज भी नागरिकता के लिए नेपाल में दर-दर की ठोकरें खा रही हैं। स्थायी नागरिकता नहीं होने के कारण उन्हें वहां कई तरह की बुनियादी सुविधाओं से वंचित होना पड़ता है। हाल ही में नेपाली सांसद सीता देवी यादव के मामले ने मधेसियों को हैरान-परेशान किया था। वे सांसद तो बन गईं लेकिन स्थायी नागरिकता नहीं होने के कारण उन्हें नेपाल के मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया। सीता देवी यादव का मायका मधुबनी जिले का एक सीमावर्ती गांव है। सीता देवी जब 15 वर्ष की थीं तब उनकी शादी अपने घर से महज छह किमी दूर नेपाल में करा दी गई। उनके पति चंद्रकांत यादव नेपाली कांग्रेस के कद्दावर नेता माने जाते थे जिनकी हत्या 2000 साल में कर दी गई थी। वे नेपाली कांग्रेस से सांसद निर्वाचित हुए और वहां के मंत्री भी बने। उनकी हत्या के बाद सीता देवी नेपाली राजनीति में सक्रिय हुईं और नेपाली कांग्रेस से सांसद निर्वाचित हुईं। इसके बावजूद उन्हें मंत्री बनने से इसलिए रोक दिया गया क्योंकि उनके पास नेपाल की स्थायी नागरिकता नहीं थी।

बापू की दिनचर्या

स्वाध्याय और लेखन (भाग-6)

गतांक से आगे...

एक दिन दोपहर में देखा गया कि बापू के बायें हाथ में कागज है, दाहिने हाथ में कलम है, तकिये पर टिके सोये हैं और मुँह खुला हुआ है। कुछ ही क्षण बाद वे एकदम चौंककर उठे और फिर लिखने लगे। चंपारण (बिहार) में भी एक बार वे रात भर लिखते रह गए थे। सन् 1925 तक बापू के पास टाइपिस्ट नहीं था। बाद में लेखन कार्य बहुत अधिक होने तथा हाथ में दर्द होने से उन्होंने टाइपिस्ट रखा। उन्हें इतना अधिक लिखना पड़ता कि उनके स्थान पर दूसरा व्यक्ति होता तो वह इस विज्ञानयुग के सौकर्य से पूरी तरह लाभान्वित होता और स्टेनोग्राफर तथा टाइपिस्ट कार्यरत रहा करते; किंतु अपनी प्रकृति एवं विशेष सिद्धांत के अनुसार वे नए आविष्कार और यंत्र से उतने समय तथा उतनी ही सीमा तक काम लेते, जितने समय तथा जितनी सीमा तक वह अत्यंत आवश्यक होता। बापू के लेखन के कई साधन थे। सेवाग्राम में वे फाउंटेनपेन का उपयोग करते। उन्हें रात-दिन लिखना पड़ता और उनके अन्य प्रयोग भी चलते-रहते। फाउंटेनपेन उन दिनों इंग्लैंड, अमेरिका से आता, इसलिए आश्रम में कोई उसका उपयोग न करे, ऐसा बापू का आग्रह था। चंपारण, साबरमती तथा मगनवाड़ी (वर्धा) में उनके कलमदान में पाँच-छह बरु की कलमें तैयार रखी जातीं। प्रभुदास भाई गांधी को बापू के लिए कलमें तराशने का सौभाग्य काफी समय तक मिला। महादेव भाई देसाई उनसे यह कार्य कराते और कलमें ठीक बनी होतीं तो जाँचकर उनको बापू के कलमदान में रखते। स्वदेशी के व्रत का आदर्श स्पष्ट तथा स्थिर करने का यह महत्त्वपूर्ण गुर था। वे होल्डर का उपयोग भी करते। जब होल्डर की निब घिस जाती, तब उसके पिछले भाग की लकड़ी को छीलकर वे उसी की कलम बना लेते %और उससे अपना लेखनकार्य करते। पं. बनारसीदास चतुर्वेदीजी ने लेखक को बताया था कि एक बार वे डचगायना के किन्हीं सज्जन को बापू से मिलाने के लिए ले गए। उन्होंने बापू से प्रवासी भारतीयों के लिए संदेश माँगा। बापू ने कहा- लिख लो। चतुर्वेदीजी ने जो कागज लिखने के लिए अपने पास से निकाला, वह बैंक पेपर था। बापू ने विनोद में कहा- इतना बढ़िया कागज तो विशाल भारत वालों को ही मिल सकता है, जो चाय पीते हैं। हमको कहाँ मिले?

क्रमशः ...

विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 50 प्रतिशत युवाओं को देगी टिकट

रायगढ़ लोकसभा के आठ विधानसभाओं में युवाओं की रहेगी दावेदारी

रायपुर। जैसे -जैसे छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है वैसे ही राजनीतिक पार्टियां अपनी नई रणनीति बनाने में लग गई है। राजनीतिक पार्टी चुनाव में प्रत्याशियों के चयन के लिए रोज नए मापदंड की बात कह रही है। कांग्रेस भी इसमें पीछे नहीं है। पहले महिलाओं का टिकट में आरक्षण इसके बाद अब युवाओं को 50 प्रतिशत टिकट दिए जाने की चर्चा ने एक नए शिगूफे को जन्म दे दिया है।

मुख्यमंत्री ने युवा कांग्रेस की एक बैठक में यह कहकर नई चर्चा की शुरुआत कर दी कि 50 प्रतिशत युवाओं को टिकट देने पर विचार किया जाएगा। इस चर्चा ने कई शिगूफे को बल दिया है और नए समीकरण के दरवाजे खुल गए हैं। यदि रायगढ़ लोकसभा की बात करें तो इसमें 8 विधानसभा क्षेत्र हैं। सारंगढ़, रायगढ़, धर्मजयगढ़, खरसिया, लैलूंगा, पत्थलगांव, कुनकुरी, जशपुर। इसमें लैलूंगा और पत्थलगांव के विधायक ही बुजुर्ग हैं। बाकी के सभी विधायक लगभग 50 - 55 वर्ष के हैं। सारंगढ़ और खरसिया के विधायक तो 40 से भी कम के हैं। लेकिन ऐसे में एक और स्थिति यह बनती है कि यदि इन 8 में से किसी की टिकट कटने की नौबत आई तो यहां युवा प्रत्याशी कौन होगा ?

हालांकि यह कहा जाता है कि कांग्रेस सिटिंग एमएलए का टिकट नहीं काटती। लेकिन इस बार प्रदेश नेतृत्व द्वारा परफॉर्मेंस और सर्वे के आधार पर टिकट कटने की बात के संकेत वरिष्ठ नेताओं द्वारा दिए गए हैं। यदि हम सिलसिलेवार एक एक विधानसभा की बात करें तो सारंगढ़, खरसिया, धर्मजयगढ़, कुनकुरी विधानसभा कांग्रेस के सर्वे में कांग्रेस और वर्तमान विधायकों की स्थिति अच्छी बताई गई है लिहाजा यहां किसी तरह के बदलाव की कोई उम्मीद नहीं दिखती। एक और बात यह है कि इन विधानसभा क्षेत्र के नेतृत्वकर्ता 50 वर्ष से नीचे के विधायक भी हैं और राजनीति में 50 वर्ष तक युवावस्था ही कही जाती है।

दूसरी तरफ लैलूंगा, रायगढ़, पत्थलगांव और जशपुर

विधानसभा में कांग्रेस की स्थिति कहीं 50-50 तो कहीं इससे भी कम कही जा रही है। हालांकि यहां के सिटिंग विधायकों की टिकट काट दी जायेगी यह बात दावे के साथ नहीं कही जा सकती लेकिन यहां यदि युवा उम्मीदवार ढूंढा जाए तो क्या कोई युवा जिसे संगठन भी चाहे, कोई उम्मीदवार दिखता है ? हम इसी का विश्लेषण यहां कर रहे हैं। एक बात और कि इस बार किसी प्रत्याशी की टिकट बिना संगठन के सहमति के नहीं मिल पाएगी, ऐसा दावा राज्य के बड़े नेता कर चुके हैं ऐसे में ऐसे युवा जिनका संगठन में भी पकड़ मजबूत हो और विकल्प के रूप में संगठन के लोग सहमत हों वैसे कौन दावेदार हो सकते हैं। हालांकि कांग्रेस में टिकट मिलने से लेकर कटने तक में अनिश्चितता बनी रहती है लेकिन कहा जा रहा है कि इस बार पार्टी अलग तरीके से ही अप्रोच कर रही है।

इन लो रेटेड विधानसभाओं और युवा प्रत्याशियों की बात हम करें तो सबसे पहले रायगढ़ से इसकी शुरुआत करेंगे। यह शहरी मतदाता बाहुल्य क्षेत्र है। बताया जाता है कि आठों विधानसभा में यह क्षेत्र कांग्रेस के लिए फिलहाल सबसे नाजुक है। यही कारण है कि कई नेता वर्तमान विधायक के टिकट कटने का दावा कर अपना दावा ठोक रहे हैं। कहा जा रहा है कि यहां टिकट कटने की स्थिति में किसी युवा कांग्रेस के संगठन से किसी प्रत्याशी पर दांव खेला जा सकता है। ऐसे में सबसे पहले हम रायगढ़ विधानसभा के उन तमाम युवा चेहरे पर नजर घूमते हैं जिनकी टीम भी मजबूत है और जो संगठन में मान्य भी हो सकते हैं। पिछले युवा कांग्रेस के चुनाव में दूसरे जिलों से भी वोट पाकर बाजी मारने और दो बार युवा कांग्रेस में निर्वाचित होने वाले राकेश पाण्डेय का नाम सबसे ऊपर दिखता है। हालांकि और कई नाम हो सकते हैं लेकिन उनकी टीम और संगठन से तालमेल में कमी उन्हें इस दौड़ से बाहर कर देती है। राकेश पाण्डेय वर्तमान में युवा कांग्रेस के निर्वाचित महामंत्री हैं, खुद की टीम है, युवा कांग्रेस संगठन में पकड़ है, बूथ लेवल तक पहुंच है। भीड़ जुटाने में माहिर होने के साथ संगठन क्षमता भी है। वे लगभग 15 साल से छात्र राजनीति और अब युवा राजनीति में सक्रिय हैं। यदि युवा कांग्रेस या युवाओं के लिए रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र को सुरक्षित किया गया तो यह नाम सबसे ऊपर होगा। स्थानीय संगठन में भी इनकी पकड़ है, पूरे जिले में समर्थक मौजूद हैं । फिलहाल इस विधानसभा क्षेत्र में इस युवा चेहरे का विकल्प नहीं है। विभाष सिंह कांग्रेस में एक ऐसा ही चेहरा रहे हैं लेकिन वर्तमान परिस्थिति में न तो स्थानीय संगठन, न ही युवा संगठन उनके साथ दिखता है। ऐसा इसलिए भी एक वक्त कांग्रेस में पिक पर रहे विभाष ने जनता कांग्रेस ज्वाइन किया था फिर वापस कांग्रेस में आए, इसे भी कार्यकर्ता और संगठन से इनकी पकड़ दूर हो गई। यदि संगठन को इग्नोर करके कोई निर्णय पार्टी ले तो जरूर इनका नाम भी दौड़ में शामिल हो सकता है।

लैलूंगा की बात करें तो यहां के विधायक ज्यादा उम्र के हैं और कांग्रेस के सर्वे में 50 से कम रेटिंग दिए जाने की बात कही जा रही है ऐसे में यहां भी यदि प्रत्याशी बदला गया तो युवा या महिला प्रत्याशी को जगह मिल सकती है। यहां प्रमुख दावेदारों में विद्यावती सिदार, सुरेंद्र सिदार, जयमाला सिंह जैसे दावेदार तो हैं लेकिन संगठन के युवा दावेदारों का अभाव है। ज्यादातर दावेदार 50-55 के ही हैं। हमें संगठन क्षमता के अनुसार कोई ऐसा नाम नहीं मिला जो विधानसभा में उम्मीदवारी के मापदंड को पूरा करता हो। यदि कोई ऐसा युवा चेहरा हो तो भी आम जन के नजर में नहीं है। इसी तारतम्य में यदि पत्थलगांव की बात करें तो यहां के विधायक रामपुकार सिंह 90 वर्ष के आसपास के हैं लेकिन वे पुनः चुनाव लडने की इच्छा जता चुके हैं। अभी हाल हीं भाजपा से कांग्रेस में गए नंदकुमार साय की भी नजर इस सीट पर है लेकिन यदि युवा उम्मीदवार की बात करे जिसे संगठन भी स्वीकार करे और जिसकी टीम भी है ऐसे में रत्ना पैंकरा का नाम सबसे आगे हो सकता है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी रत्ना काफी सक्रिय रही थी और राहुल गांधी के साथ चली भी थी। रत्ना पैंकरा जशपुर जिला पंचायत क्षेत्र के सदस्य (डीडीसी) भी हैं। संगठन के फॉर्मेट में बिलकुल परफेक्ट और अपने क्षेत्र में काफी सक्रिय भी हैं। ऐसे में यदि यह सीट युवा के लिए आरक्षित की जाती है तो रत्ना पैंकरा सशक्त दावेदार होंगी।

अब जशपुर की बात की जाय तो वहां के विधायक विनय भगत हालांकि 50 वर्ष के आसपास के ही हैं लेकिन सर्वे रेटिंग के आधार पर यदि यहां विनय भगत की टिकट कटती है और इसे युवा कांग्रेस या युवा उम्मीदवार के लिए सुरक्षित की जाती है तो यहां अंशिका कुजूर का नाम सबसे आगे हो सकता है। अंशिका हालांकि अभी बीडीसी हैं लेकिन संगठन में भी जिम्मेदार पद पर हैं। इसके अलावा इन्होंने भी राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में बड़ी सहभागिता निभाई थी। वे राहुल गांधी के साथ नजर आई थी। वर्तमान में संगठन के महत्वपूर्ण पद पर भी हैं। बताया जाता है कि संगठन के लिहाजा से इनके पास भी बड़ी टीम है और बेहतर प्रदर्शन करने का माद्दा है। ऐसे में इनका नाम युवा के रूप में सबसे आगे हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

डड़सेना कलार समाज ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को महुआ से तौल जताया आभार

कोंडागांव। जिले बेड़मा ग्राम में डड़सेना कलार समाज ने समर्थन मूल्य पर 65 प्रकार की वनोपजों की खरीदी के फैसले के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को महुआ से तौल कर उनके प्रति आभार जताया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा, विधानसभा उपाध्यक्ष श्री संतराम नेताम, संसदीय सचिव श्री शिशुपाल शोरी, सांसद श्री दीपक बैज, सांसद श्री मोहन मंडावी, विधायक सर्वश्री मोहन मरकाम, चंदन कश्यप, श्री अनूप नाग, विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा, श्रीमती सावित्री मंडावी,डड़सेना कलार समाज के संभागीय अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम गजेंद्र सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

कांग्रेस कमेटी के सचिव शंकर उल्का व जांगिड आज आएंगे छत्तीसगढ़

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के

सचिव एवं प्रदेश प्रभारी सप्तगिरि शंकर उल्का व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संयुक्त सचिव एवं सह प्रभारी विजय जांगिड बुधवार को छत्तीसगढ़ प्रवास पर पहुंच रहे हैं जहां से वे दोनों विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए गंतव्य की ओर रवाना हो जाएंगे। शंकर उल्का बुधवार को दोपहर 01.45 बजे नियमित विमान सेवा द्वारा जगदलपुर पहुंचेंगे एवं रायपुर के लिये रवाना होंगे। दोपहर 02.35 बजे रायपुर पहुंचकर सर्किट हाउस के लिये रवाना होंगे। 8 जून को सुबह 10 बजे रायपुर से दुर्ग के लिये रवाना होंगे सुबह 11 बजे दुर्ग पहुंचकर चौहान एम्पीरियल में आयोजित दुर्ग संभागीय सम्मेलन में भाग लेंगे। शाम 5 बजे दुर्ग से रायपुर के लिये रवाना होंगे। रात्रि 8.10 बजे रायपुर से रायगड़ा (ओडिशा) के लिये रवाना होंगे। विजय जांगिड बुधवार को रायपुर से बिलासपुर के लिये रवाना होंगे। सुबह 11 बजे बिलासपुर पहुंचकर एवं सिम्स ऑडिटोरियम बिलासपुर में आयोजित संभागीय सम्मेलन में भाग लेंगे। शाम 5 बजे बिलासपुर से रायपुर के लिये रवाना होंगे। 8 जून सुबह 1 बजे रायपुर से दुर्ग के लिये रवाना होंगे। सुबह 11 बजे दुर्ग पहुंचकर चौहान एम्पीरियल में आयोजित दुर्ग संभगीय सम्मेलन में भाग लेंगे। शाम 5 बजे दुर्ग से रायपुर के लिये रवाना होंगे।

दिव्यांगजनों के लिए उपयुक्तता प्रमाण-पत्र शिविर रायपुर में 20 और 21 जून को

रायपुर। भारत सरकार एवं श्रम मंत्रालय मॉडल कैरियर सेंटर जबलपुर एवं विशेष रोजगार कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में दिव्यांगजनों के लिये उपयुक्तता प्रमाण पत्र शिविर का आयोजन 20 एवं 21 जून को सबेरे 10 बजे से विशेष रोजगार कार्यालय पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, सिविल लाइन्स रायपुर में आयोजित किया जा रहा है। विशेष रोजगार कार्यालय रायपुर की उपसंचालक डॉ. श्रीमती शशी अतुलकर ने बताया कि दिव्यांगजनों के नियोजन हेतु छत्तीसगढ़ के समस्त दिव्यांगजनों के लिए समय-समय पर व्यावसायिक, कैरियर मार्गदर्शन, प्लेसमेंट केम्प एवं उपयुक्तता प्रमाण पत्र शिविर का आयोजन कराया जाता है। दिव्यांगजनों के लिए उपयुक्तता प्रमाण पत्र व्यवसायिक पाठ्यक्रम प्रवेश परीक्षा जैसे- पीईटी, पीपीटी, पीएटी, प्रीएमसीए, प्री बीएसी नर्सिंग, प्री एमएसी नर्सिंग, पीचडी, प्री बीएड इत्यादि प्रवेश परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने पर कॉलेज में प्रवेश के समय एवं नौकरी प्राप्ति के समय पात्रता प्रमाण पत्र की जरूरत होती है। जिन्हें बनवाने के लिए जबलपुर स्थित श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के कार्यालय, मॉडल कैरियर सेंटर, जबलपुर जाना पड़ता है। दिव्यांगजनों के सुविधा के लिए विशेष रोजगार कार्यालय रायपुर द्वारा जबलपुर कैरियर सेंटर की टीम को आमंत्रित कर पात्रता प्रमाण पत्र शिविर का आयोजन रायपुर में किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने प्रतिभावान विद्यार्थियों का किया सम्मान

कोंडागांव। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने

आज अपने केशकाल विकासखंड के बेड़मा प्रवास के दौरान 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में कोंडागांव जिले से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान करते हुए जेईई मेन्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 05 विद्यार्थियों का भी सम्मान किया। विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा के विकास के लिये प्रशासन द्वारा आयोजित समर कैम्प में 9 विधाओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। समर कैंप में सीखी गई कला का प्रदर्शन बच्चों ने कार्यक्रम में बनाए गए एक स्टॉल में किया, जिसकी मुख्यमंत्री ने सराहना की। समर कैम्प में पेंसिल स्केच से मुख्यमन्त्री का चित्र उकेरने वाले आत्मानंद स्कूल केशकाल के कक्षा नवमी के छात्र आदीदेव सोनवानी और बेड़मा निवासी मनीष पांडेय ने मुख्यमंत्री को चित्र भेंट किया। बच्चों की मांग पर मुख्यमंत्री ने उनके साथ सेल्फी भी ली। सत्र 2023 के बोर्ड परीक्षा में कक्षा 10वीं में जिले के टॉप 6 विद्यार्थियों जिनका प्राप्तांक 90 प्रतिशत से अधिक है, इसी प्रकार सत्र 2023 के बोर्ड परीक्षा में कक्षा 12वीं में जिले के टॉप 5 विद्यार्थियों जिनका प्राप्तांक 90 प्रतिशत से अधिक प्राप्त किये है।

मुख्यमंत्री ने विस चुनाव 2023 में किया जीत का दावा

कर्नाटक में जो हश्र भाजपा का हुआ वही छत्तीसगढ़ में होगा : भूपेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने इशारों ही इशारों में विधानसभा चुनाव 2023 में कांग्रेस की जीत का दावा किया। सीएम ने कहा कि हमें केंद्रीय नेतृत्व के साथ कर्नाटक में चुनाव लड़ते देखा, क्या हश्र हुआ। बीजेपी का यही हश्र छत्तीसगढ़ में भी होने वाला है। ये बातें कोंडागांव रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री ने पुलिस परेड ग्राउंड स्थित हेलीपेड में कहीं।

केंद्रीय मंत्री लगातार छत्तीसगढ़ में चुनावी दौरा कर रहे हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजेपी में सिर्फ एक्सपेरिमेंट चल रहा है। मुझे तो लगता है कि चुनाव से पहले प्रभारी न बदल दिए जाएं। क्योकि इससे पहले डी पुरंदेश्वरी बदल गईं, जामवाल आए लेकिन उन्हें किनारे रखा गया। नितिन नबीन भी हासिये पर हैं। यही स्थिति अब वरिष्ठ बुजुर्ग नेता ओम माथुर की है। माथुर बीजेपी के सभी नेताओं को एक मंच पर नहीं ला पा रहे हैं। वो बिना स्थानीय नेताओं के ही अकेले-अकेल बस्तर घूम आए।

बीजपी में नए लोगों के प्रवेश पर सीएम ने कहा कि ये लोग सिर्फ बताने के लिए बीजेपी में आ रहे हैं। जैसे अनुज शर्मा हैं, वो पहले से ही भाजपा के लिए काम करते रहे हैं। इनका 10 लाख सदस्यता अभियान भी पीछे छूट गया है। कोई राजनीतिक दल छोड़कर थोड़े ही गए हैं। पूर्व सीएम रमन सिंह पर तंज कसते हुए कहा कि वो कमांडो के घेरे से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। वो कार्यकर्ता से, पब्लिक से दूर हो गए हैं, लेकिन कमांडो का घेरा बना हुआ है। भूतपूर्व सीएम के बावजूद वर्तमान सीएम से ज्यादा सुरक्षा घेरे में रहते हैं। 15 साल के सीएम को भी पार्टी ने बेदखलकर दिया है। साय को बीजेपी ने बदल दिया। धरमलाल कौशिक को बदलकर नारायण चंदेल को नेता प्रतिपक्ष बनाय गया। इस तरह से बीजेपी में एक्सपेरिमेंट चल रहा है।

कांकेर में मासूम के साथ क्रूरता, भाजपा विधायक रंजना बोलीं-

भूपेश सरकार में सबसे ज्यादा बच्चियों पर बरपा कहर

रायपुर। कांकेर के शिवनगर स्थित दत्तक ग्रहण केंद्र में महिला मैनेजर की ओर से बच्ची के साथ क्रूरता पर बीजेपी की प्रदेश प्रवक्ता एवं विधायक रंजना साहू ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार का सबसे ज्यादा कहर मासूम बच्चे-बच्चियों पर ही बरपा है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार मासूम बच्चों की जान की भी दुश्मन बनी हुई है। पिछले तीन साल में प्रदेश के आदिवासी इलाकों में 25 हजार बच्चों की समुचित इलाज के अभाव में मौत हुई है। यह राज्य सरकार का आंकड़ा है।

बीजेपी विधायक ने कहा कि यूनिसेफ कहता है कि कुपोषण और इलाज के अभाव में दो वर्ष में 17 हजार बच्चों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि अजजा-अजा पर उत्पीड़न और अत्याचार के मामलों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। अजजा वर्ग को हमेशा गुमराह करने वाली प्रदेश सरकार को तो इस बात पर शर्म आनी चाहिए कि कोरवा जनजाति, बैगा जनजाति, पण्डो जनजाति की बच्चियों व किशोरियों के साथ दुष्कर्म, हत्या के अलावा दीगर अपराधों का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। सरगुजा जिले में बलात्कार की शिकार एक नाबालिग बच्ची की रिपोर्ट दर्ज करने में आनाकानी करने से क्षुब्ध पीड़िता बच्ची को आत्महत्या के लिए विवश होना पड़ा, जबकि बिलासपुर में दुष्कर्म के ही एक मामले में पुलिस पीड़िता के परिजनों को चक्कर कटवाती रही। कांकेर में ही दुष्कर्म के मामले में रिपोर्ट दर्ज करने में पुलिस के टालमटोल से त्रस्त पीड़िता के पिता ने आत्महत्या की कोशिश की थी।

विधायक रंजना ने कहा कि प्रदेश के कांग्रेसी कुशासन में दुष्कर्म के 5 हजार मामले सामने आए हैं। इससे पुलिस तक नहीं पहुंचे मामलों या पुलिस की ओर से दर्ज नहीं किए गए मामलों की संख्या का अनुमान लगाना जरा भी मुश्किल नहीं है। उन्होंने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि प्रदेश सरकार ने इन मामलों में कार्रवाई तो दूर, इन्हें नोटिस तक नहीं किया। इन मामलों को स्वीकार नहीं किया। प्रदेश सरकार केवल शराब की कोचियागिरी और घोटालों-भ्रष्टाचार में ही मगन है। प्रदेश के भविष्य को बर्बाद करने में लगी है कांग्रेस सरकार।

भूपेश से दुखी हैं प्रदेशवासी, विज्ञापनों पर चल रही राज्य सरकार: हरदीप सिंह

रायपुर। छत्तीसगढ़ आम आदमी पार्टी के प्रदेश सहप्रभारी हरदीप सिंह मुंडिया ने आज भूपेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। पार्टी कार्यालय में में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के लोग भूपेश सरकार से बहुत दुखी है। प्रदेश के गांवों में न सड़के हैं न पेयजल की व्यवस्था। प्रदेश की जनता मूलभूत समस्याओं को लेकर जूझ रही है। राज्य सरकार केवल विज्ञापनों पर चल रही है।

केंद्र की मोदी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि सीएम भूपेश बघेल क्क्रू मोदी की राह पर चल रहे हैं। दिल्ली में आप सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि दिल्ली में सीएम अरविंद केजरीवाल ने राजनीति करने का अंदाज ही बदल दिया। दिल्ली से भ्रष्टाचार का खत्मा किया। वहां एक बार जीतने के बाद आप की सरकार बार-बार जीत रही है। उन्होंने प्रदेश की जनता से भी

आम आदमी पार्टी को एक मौका देने की अपील की है।

पंजाब के साहनेवाल (साहनेवाल) विधानसभा सीट से विधायक हरदीप मुंडिया ने 2 जुलाई को बिलासपुर में होने वाली महारैली और पार्टी के गतिविधियों को लेकर कहा कि बिलासपुर में आप की बहुत बड़ी महारैली होगी। इसमें दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान आएंगे। लाखों की तादात में कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ने की उम्मीद है।

निष्पक्ष और निर्भीक चुनाव में सहयोगी हैं व्यय प्रेक्षक: उप सचिव

- **आठ जिलो के नगरीय निकायों के नौ वार्डों में होगा पार्षदों का चुनाव**

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिकाओं के लिए उप निर्वाचन 2023 हेतु कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इसके तहत् आठ जिलों के नौ वार्डों में पार्षदों का उप निर्वाचन होना है। निर्वाचन में पार्षदों द्वारा किये जाने वाले व्यय पर निगाह रखने के लिए 15 व्यय प्रेक्षकों की तैनाती आयोग द्वारा की गई है। नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय के वीडियो कान्फ्रेंसिंग कक्ष के जरिये इन व्यय प्रेक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के उपसचिव श्री दीपक अग्रवाल, ने प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि व्यय प्रेक्षकों की नियुक्ति निष्पक्ष और निर्भीक चुनाव में सहयोग देने के लिए की गई है। अतः वे गंभीरता से अपने दायित्व का निर्वहन करें। व्यय प्रेक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए आयोग में श्रीमती प्रीति निषाद, लेखाधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त

किया गया है। साथ ही प्रत्येक जिले में भी नोडल अधिकारी नियुक्त किये जाने के लिए निर्देशित किया गया है।

इस मौके पर, आयोग के अवर सचिव श्री आलोक श्रीवास्तव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग में बताया कि नगरीय निकायों में पार्षद का चुनाव लडने् वाले अभ्यर्थियों के लिए आयोग द्वारा व्यय सीमा तय की गई है। इसमें नगर पंचायतों के पार्षद चुनाव के अभ्यर्थियों की व्यय सीमा जहां पचास हजार है, और वहीं नगरपालिकाओं के लिए डेढ़ लाख रूपये है। नगरपालिका निगम में तीन लाख से कम आबादी वाले वार्डों में अभ्यर्थी अधिकतम तीन लाख तक खर्च कर सकते है और वहीं तीन लाख से अधिक आबादी वाले वार्डों के अभ्यर्थियों के लिए पांच लाख रूपये की व्यय सीमा तय की गई है।

पार्षद पद के प्रत्येक अभ्यर्थी को रोज किए जाने वाले व्यय का लेखा रजिस्टर-प्रोफार्मा-क में रखना होगा, जो अभ्यर्थी को रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा दिया जाएगा। यह भी बताया गया कि हालांकि व्यय प्रेक्षकों का कार्य अभ्यर्थियों के नामों के अंतिम रूप से घोषणा के बाद ही शुरू होता है, किन्तु उन्हें नामांकन दाखिले के दिन से सचेत रहना चाहिए। ध्यान रहे कि इस बार नगरीय निकायों के पार्षद चुनाव के लिए नाम वापसी हेतु 12 जून 2023 की तिथि तय की गई है। ज्ञात हो व्यय प्रेक्षक कुल चार बार प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगा। पहला प्रतिवेदन अभ्यर्थिता नाम वापसी दिनांक से चार दिन के भीतर, दूसरा प्रतिवेदन मतदान के दो दिन पहले, तीसरा प्रतिवेदन मतदान तिथि के दूसरे दिन तथा आखिरी प्रतिवेदन निर्वाचन परिणाम की घोषणा के 30 दिनों के भीतर राज्य निर्वाचन आयोग को भेजेगा।

मुख्यमंत्री ने कोंडागांववासियों को करोड़ों के विकास कार्यों की दी सौगात

कोंडागांव। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज अपने एक दिवसीय प्रवास पर कोंडागांव जिले के ग्राम बेड़मा पहुंचे। उन्होंने इस दौरान 213 करोड़ रुपये से अधिक के 527 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर जिलेवासियों को बड़ी सौगात दी। जिसमें 61करोड़ 83 लाख रूपये लागत के 445 विकास कार्यों का लोकार्पण और 151 करोड़ 93 लाख रूपये की लागत के 82 निर्माण कार्यों का भूमि पूजन शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा 445 कार्यों का लोकार्पण किया गया। जिसमें 6 करोड़ 39 लाख रूपए की लागत से निर्मित देऊरबाल से तरईबेड़ा 13.85 किलोमीटर सड़क निर्माण, 5 करोड़ 71 लाख रूपए की लागत से निर्मित मोहलई से चेराकुर-गुमगा 6 किलोमीटर सड़क एवं पुल-पुलिया निर्माण, 04 करोड़ 46 लाख रूपए की लागत से निर्मित माकड़ी से ओटेंडा 6.78 किलोमीटर सड़क निर्माण, 02 करोड़ 82 लाख रूपए की लागत से कोरमेल से परोदा 5.20 किलोमीटर सड़क निर्माण, एक करोड़ 48 लाख रूपये की लागत से निर्मित बादालूर-कांगा तक 2.70 किलोमीटर सड़क, 25 लाख रूपये की लागत से केजंग-

मड़ानार मार्ग पर निर्मित आरसीसी पुलिया 37 लाख 64 हजार रूपये की लागत से निर्मित कुधुर कपाटभाठा में स्टॉपडैम, 48 लाख 33 हजार रूपये की लागत से कलेक्टोरेट परिसर में निर्मित एकीकृत जनसुविधा हेतु शौचालय एवं कैंटिन, जनपद पंचायतग फरसगांव के अंतर्गत 8 करोड़ 8 लाख रुपये की लागत सेग निर्मित 113 विकास कार्य, जनपद पंचायत केशकाल अंतर्गत 3 करोड़ 96 लाख रुपये की लागत से निर्मित 61 विकास कार्य तथा जनपद पंचायत बड़ेराजपुर अंतर्गत एक करोड़ 62 लाख रुपये की लागत से निर्मित 25 विकास कार्यों सहित जल जीवन मिशन के तहत 20 करोड़ 47घ लाख रूपये की लागत से कोकोड़ी, बड़ेउसरी, पुसावण्ड, बाखरा, तातरी, मयुरडोंगर, फरसगांव, निलजी, उदेंगाघ, जरडीं, केरावाही, बालोण्ड, भाटगांव, देवहरदुली, शंकरपुर, सारबेड़ा, बाड़ागांव, बड़ेराजपुर,पाटला,छोटे अमरावती, पुसपाल, कोन्दाबेड़ा, तोतर एवं कोंगेरा में नल जल प्रदाय योजना, 25 लाख रुपये की लागत से डडसेना कलार समाज भवन निर्माण कोण्डागांव सहित 60 लाख रूपए की लागत से कोण्डागांव में नवनिर्मित लोहार समाज, भोजपुरी संगम समाज एवं बंगीय समाज हेतु सामाजिक भवन, 10 लाख रूपये की लागत से कलार समाज भवन फरसगांव में निर्मित आहाता, 10 लाख रूपये की लागत से केशकाल में निर्मित सतनामी समाज भवन, एक करोड़ 50 लाख रूपये की लागत से स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल महात्मा गांधी वार्ड कोण्डागांव, तहसीलपारा कोण्डागांव एवं मर्दापाल का उन्नयन कार्य, जिले के बड़ेराजपुर, फरसगांव एवं केशकाल ब्लॉक में 57 लाख रुपये की लागत से 32 देवगुड़ी निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्य,20 लाख रूपये की लागत से फरसगांव में निर्मित खण्ड स्तरीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण भवन, 46 लाख 74 हजार रूपये की लागत से कुंभी नाला एवं लकड़ी बहार नाला में निर्मित स्टॉपडैम, 39 लाख रुपये की लागत से केशकाल एवं फरसगांव में वन धन केंद्र गोदाम निर्माण, 61 लाख 96 हजार रूपये की लागत से कोनगुड़ में निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 15 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में निर्मित हमर लैब, एक करोड़ एक लाख रूपये की लागत से जिले के 159 आंगनबाड़ी केन्द्रों सहित 04 स्वास्थ्य केन्द्रों बड़ेकनेरा पीएचसी एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र बड़ेकनेरा सहित कमेला एवं करंजी और बड़ेओड़ागांव में सोलर होम लाइट स्थापना सहित सौर गर्म जल सयंत्र तथा सोलर स्ट्रीट लाइट स्थापना का कार्य शामिल है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री श्री बघेल ने 151 करोड़ 93 लाख रूपये की लागत से 82 निर्माण कार्यों का भूमि पूजन भी किया। जिसके तहत 17 करोड़ 60 लाख रूपए की लागत से निर्मित की जाने वाली मर्दापाल मेढ़पाल मुख्य मार्ग से चांगेर-हंगवा 12.90 किलोमीटर सड़क एवं पुल-पुलिया, 12 करोड़ 72 लाख रूपए की लागत से माकड़ी ब्लाक अंतर्गत बासनी नाला में दो पुल निर्माण सहित आदि कार्य शामिल है।

भाजपा ने निकाली घोटालों की बारात

रायपुर। आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी इस बार भ्रष्टाचार को मुख्य चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है । इसी क्रम में आज भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के घोटालों को लेकर घोटालों की बारात निकाली । भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बाराती की तरह सज धज कर नाचते हुए शहीद स्मारक भवन से कलेक्ट्रेट की ओर निकले । उनके साथ बरात की तरह बैंड बाजा और घोड़ा गाड़ी भी थी । नाचते गाते और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता शास्त्री चौक पहुंचे और वहां पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए ।

बरात लेकर कलेक्टर पहुंचे वहां पर भी उन्होंने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की । भारतीय जनता युवा मोर्चा के शहर जिला अध्यक्ष गोविंदा गुप्ता ने बताया कि आने वाले दिनों में भारतीय जनता युवा मोर्चा सभी जिला मुख्यालयों में इसी तरह प्रदेश सरकार के दो हजार करोड़ के शराब घोटाले, पीएससी घोटाला, चावल घोटाला, रेत घोटाला आदि मुद्दों को लेकर घोटालों की बारात निकालेगी । इस पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तंज कसते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के 15 साल के कार्यकाल के घोटालों की लंबी लिस्ट है अगर कुछ छूट जाए तो हम याद दिला देंगे।

इधर राजिम के फिंगेश्वर में आज शाम भाजपा द्वारा जोरदार प्रदर्शन करते हुए शराब दुकान का घेराव कर पोस्टर चिपकाया गया है। बड़ी संख्या में महिला मोर्चा व युवा मोर्चा के कार्यकर्ता रैली निकालकर शराब दुकान पहुँचे और प्रदर्शन करते हुए शराब दुकान में शराब बंदी के पोस्टर चिपकाकर नारे बाजी किये। इस दौरान आनन फानन में शराब दुकान को कुछ देर के लिए बंद भी करना पड़ा। घेराव कार्यक्रम में भाजपा जिला सहित मण्डल के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जनता ने 2018 में ही भ्रष्ट रमन सरकार की बारात निकाल दी, अब 2024 में मोदी सरकार की

रायपुर । भाजयुमो की बारात पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की जनता ने 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को बुरी तरह हराकर भ्रष्ट कमीशनखोर रमन भाजपा सरकार की बारात निकाल चुकी है अब 2024 में अराजक मोदी सरकार की बारात निकालेगी। प्रदेश की जनता रमन सिंह को भ्रष्टाचार की अंतरराष्ट्रीय पितामह के नाम से पुकारती हैं।भाजयुमो को हर साल भ्रष्टाचार के पितामह रमन सरकार के मुखिया डॉ रमन सिंह की बारात निकालनी चाहिये है।और बारात में नान घोटाला की डायरी में दर्ज पैसा खाने वाली मैडम सीएम? ऐश्वर्या रेजीडेंसी में रहने वाली,रमन मेडिकल स्टोर्स के पता में पनामा में खाता खुलवाने वाले अभिषाक सिंह और डीकेएस अस्पताल को गिरवी रखने वाले रमन सिंह के घोटालेबाज दमाद,स्काई वॉक घोटाला करने वाले राजेश मूणत,झलकी में सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले बृजमोहन अग्रवाल,शराब घोटाला करने वाले अमर अग्रवाल,सहित रमन सरकार के घोटालेबाज सहयोगी एवं कमीशनखोर भाजपा नेताओं को बाराती बनाना चाहिये। घोटालों की पगड़ी पहनाकर उन्हें शहर शहर घुमाना चाहिये।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि 15 साल में रमन भाजपा की सरकार ने छत्तीसगढ़ को लूटने का काम किया है हर विभाग में हर योजना में सिर्फ कमीशनखोरी भ्रष्टाचार किया। 20 लाख फर्जी राशन कार्ड बनाकर 36 हजार करोड़ का नान

जल जीवन मिशनः 23.30 लाख से अधिक परिवारों को मिला घरेलू नल कनेक्शन

रायपुर। राज्य के ग्रामीण अंचलों में निःशुल्क घरेलू नल कनेक्शन देने का काम तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत घरों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अब तक 23 लाख 30 हजार 317 घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसके साथ-साथ राज्य के 43 हजार 971 स्कूलों, 41 हजार 692 आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा 17 हजार 290 ग्राम पंचायत भवनों और सामुदायिक उप-स्वास्थ्य केन्द्रों में टेप नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। जिसमें छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में सर्वाधिक 2 लाख 3 हजार 755 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन देने में सबसे आगे है।

मुख्यमंत्री बघेल के नेतृत्व और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्रकुमार के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य में प्रति व्यक्ति, प्रतिदिन 55 लीटर के मान से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, इसके लिए सभी जिलों में कार्ययोजना तैयार कर तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। इस मिशन के तहत घरेलू नल कनेक्शन के अतिरिक्त स्कूल, उप-स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी रनिंग वाटर की व्यवस्था की जा रही है।

जल जीवन मिशन के तहत अब तक राजनांदगांव जिले में 1 लाख 64 हजार 760, रायपुर जिले में 1 लाख 31 हजार 918, रायगढ़ जिले में 1 लाख 31 हजार 013, धमतरी जिले में 1 लाख 20 हजार 790, बलौदाबाजार-भाटापारा में 1 लाख 14 हजार 871, महासमुंद जिले में 1 लाख 13 हजार 952, कवर्धा 1 लाख 7 हजार 216, दुर्ग 1 लाख 1 हजार 526, बिलासपुर जिले में 99 हजार 470 और बेमेतरा जिले में 97 हजार 598 नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसी तरह मुंगेली में 93 हजार 731, बालोद में 93 हजार 040, गरियाबंद 79 हजार 451, जशपुर में 68 हजार 340, सरगुजा जिले के 66 हजार 463, बलरामपुर में 66 हजार 227, बस्तर में 62 हजार 445, कोरबा में 62 हजार 146, कांकेर 61 हजार 982, सूरजपुर में 60 हजार 695, कोरिया में 58 हजार 833, कोण्डागांव में 58 हजार 217, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 28 हजार 539, सुकमा में 23 हजार 996, बीजापुर 22 हजार 877, दंतेवाड़ा में 21 हजार 226 और नारायणपुर जिले में 15 हजार 240 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

हज़रत चांद शाह वली का उर्स पाक 7,8,9 जून को

रायपुर । हर साल की तरह इस साल भी हज़रत चांद शाह वली रहमतुल्लाह अलैह तीन मजार का सालाना उर्स पाक बड़े ही शानो शौकत से मनाया जा रहा है । जिसके तहत तीन दिनों तक विभिन्न कार्यक्रम होंगे । आगामी 7 जून बरोज बुधवार को असर की नमाज़ के बाद मजार से शाही संदल निकाला जाएगा । जो शहर का गश्त करने के बाद वापस मजार पहुंचेगा। जहां चादरपोशी की रस्म अदा की जाएगी । ईशा की नमाज़ के बाद हाफ़िज़ और कारी मोहम्मद इमरान अशर्फी और तौकीर जिया जामई साहब का खिताब होगा । बतारीख 8 जून बरोज़ जुमेरात को मगरिब की नमाज़ के बाद न्याल बंधु एंड पार्टी की महफ़िल सिमा होगी । वहीं 9 जून बारोज जुमा को सुबह 10 बजे कुल शरीफ की फातिहा होगी । उसके बाद आम लंगर का एहतेमाम किया गया है । यह जानकारी एक प्रेस विज्ञप्ति में हज़रत चांद शाह वली रहमतुल्लाह अलेह आस्ताने के खादिम जनाब शेख रहीम भाई और शेख शमीम भाई ने दी है । उन्होंने सभी लोगो से वालिए कामिल के फ़ैज़ हासिल करने की अपील की है।

अम्बिकापुर से बनारस मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा देने का किया अनुरोध

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा, अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने आज केन्द्रीय मंत्री सड़क परिवहन एवं राजमार्ग श्री नितिन एम. गडकरी से नई दिल्ली स्थित निवास में मुलाकात की। मंत्री डॉ. टेकाम ने केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी से अम्बिकापुर से बनारस राज्यमार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा देने का अनुरोध किया है।

मंत्री डॉ. टेकाम ने केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन एम. गडकरी से मुलाकात के दौरान सर्वे रिपोर्ट सौंपी। इस सर्वे रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि अम्बिकापुर (छत्तीसगढ़)-धनवार-बनारस मार्ग छत्तीसगढ़ अंतर्गत कुल लम्बाई 110.60 किलो मीटर है। यह मार्ग छत्तीसगढ़ के सरगुजा, सूरजपुर एवं बलरामपुर जिलों को उत्तर प्रदेश से जोड़ता है। उन्होंने पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि यह मार्ग अत्यंत ही महत्त्वपूर्ण मार्ग है, जो छत्तीसगढ़ से उत्तर प्रदेश होते हुए सीधे दिल्ली से जुड़ता है। व्यवसायिक दृष्टिकोण से यह मार्ग अत्यंत ही व्यस्ततम मार्ग हैं, छत्तीसगढ़ से उत्तर प्रदेश तक सब्जियों, खनिज, खनिज उत्पादन, रोजमर्रा की वस्तुएं आदि का परिवहन अत्यधिक मात्रा में होता है। इस मार्ग पर यातायात का अत्यधिक दबाव रहता है। अतः इस मार्ग के यातायात को सुगम बनाये जाने की दृष्टि से अंबिकापुर-धनवार-बनारस को राष्ट्रीय राजमार्ग बनाया जाना अत्यंत ही आवश्यक है।यहां यह भी उल्लेखनीय है कि बनारस पूरे भारतवासियों की धार्मिक आस्था का एक बहुत ही बड़ा केन्द्र है। अंबिकापुर-धनवार-बनारस मार्ग के राष्ट्रीय राजमार्ग बनने से छत्तीसगढ़, झारखंड तथा बिहार जैसे राज्यों के आसपास के इलाके इससे लाभान्वित होंगे। इस मार्ग की वर्तमान ट्रैफिक सर्वे 20 जून 2022 से 26 जून 2022 तक कुल 7 दिनों में 2394 कार, जीप, वैन और तिपहिया वाहन, 198 स्कूटर मोटर सायकल, 345 बस एवं मिनी बस, 1767 ट्रकें, 6548 ट्रेक्टर ट्राली सहित, 196 सायकल और 1904 घोड़ा गाड़ी-बैलगाड़ी का आवागमन हुआ।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

छत्तीसगढ़ में अपराधों ने सारे रिकॉर्ड तोड़ेः केदार गुप्ता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता ने लूट, चाकूबाजी, मारपीट, अपहरण, हत्या जैसे संगीन अपराधों के जरिए आतंक फैलाने वाले दहशतगर्दों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। श्री गुप्ता ने कहा कि जब प्रदेश सरकार और आला अफसरों की नाक के नीचे अपराधी राजधानी में ही अपना जंगलराज कायम कर रहे हैं तो प्रदेश के बाकी इलाकों का तो भगवान ही मालिक है!

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री गुप्ता ने कहा कि छत्तीसगढ़ को अपराधों का गढ़ बना चुकी प्रदेश की कांग्रेस सरकार एक ओर बेहतर कानून-व्यवस्था ओर स्मार्ट पुलिसिंग का ढिंढोरा पीट रही है, दूसरी ओर रास्ता रोककर चाकू व अन्य हथियारों के इस्तेमाल से लूट, मारपीट, अपहरण, चाकूबाजी जैसे अपराधों को अंजाम दिया जा रहा है। इससे राजधानीवासियों में दहशत बढ़ती जा रही है। श्री गुप्ता ने कहा कि यह बेहद चिंताजनक है कि हाल ही बीते मई माह में हर दूसरे दिन रास्ता रोककर लोगों से मारपीट और लूटपाट के साथ ही चाकूबाजी की घटनाएं घटी हैं और जून माह में भी इन घटनाओं पर अब तक कोई अंकुश नहीं लगा है। श्री गुप्ता ने हाल ही एक युवा व्यापारी के हुए अपहरण की वारदात का जिक्र भी किया और कहा कि मई माह में राजधानी में 5 जानलेवा हमले समेत 13 लोगों पर हमले, 8 लोगों से मारपीट, 8 लोगों से लूटपाट समेत 3 दर्जन मामले दर्ज हुए हैं।

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाए ध्वस्त, बीमारों की दी जा रही एक्सपायरी दवाइयांः डॉ बांधी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी ने जांजगीर-चांपा जिले की नवागढ़ नगर पंचायत में मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत मरीजों को कालातीत (एक्सपायरी) दवाएं देने के मामले को बेहद गंभीर बताया है। डॉ. बांधी ने कहा कि जांच में यह मामला सही साबित होने के बावजूद पिछले 7 माह से दोषियों पर कार्रवाई नहीं होना समझ से परे है।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व मंत्री डॉ. बांधी ने कहा कि इस मामले में लगातार गुहार लगाने के बाद भी मरीज युवती संतोषी बंजारे को शासन-प्रशासन के स्तर पर न्याय नहीं मिल पाना न्याय-योजना का शोर मचा रही प्रदेश सरकार के लिए शर्म का विषय है। संतोषी बंजारे दोषियों पर कार्रवाई की गुहार लगाती 7 माह से दफ्तरों के चक्कर काट रही है। तबीयत बिगड़ने पर मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के एंबुलेंस में इलाज के दौरान जांच के बाद संतोषी को जो दवा दी गई थी, वह कालातीत तिथि (एक्सपायरी डेट) की थी। संतोषी ने कलेक्टर से इसकी शिकायत की। मामले की जांच करने पर संतोषी की शिकायत सही पाई गई लेकिन कालातीत दवा देने वाले डॉक्टर, स्टाफ व जिला समन्वयक पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। थक-हारकर संतोषी कलेक्ट्रेट के सामने भूख हड़ताल पर बैठ गई।

रेल दुर्घटना मे 300 से अधिक मौतों के बाद भी कोई जवाबदेही क्यों तय नहीं?

रायपुरर। रेल दुर्घटना पर अभी तक किसी के द्वारा न नैतिक जबाबदरी ली गयी हैं और न ही कोई राजनैतिक जबाबदारी लेने सामने आया है.। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मोदी सरकार रेल दुर्घटना मे इतनी बड़ी मौतो के बाद अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है.। बालासोर, उड़ीसा में भयावह ट्रेन दुर्घटना को हुए तीन दिन से अधिक बीत चुके है क्या मानवीय व नैतिक आधार पर शीर्ष पदों पर बैठे लोगों की जवाबदेही नहीं तय की जानी चाहिए? विशेषज्ञों, संसदीय समिति, कैग रपोर्ट की चेतावनियों व सुझावों को नजरंदाज करने के लिए कौन जिम्मेदार है? घटना के वास्तविक कारणों से ध्यान भटकाने सीबीआई जाँच की नौटंकी की जा रही सीबीआई तकनीकी खामियों की जाँच कैसे करेगी उसके पास कौन सी तकनीकी टीम हैं.।प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भारतीय रेल रोज़ाना करीब 2.2 करोड़ से ज़्यादा यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुँचाती है, मतलब ऑस्ट्रेलिया की पूरी जनसंख्या के लगभग लोग इस देश की रेल की पटरियों से रोज़ सफ़र करते हैं और ऐसे लोगों के सफ़र की चिंता करने के बजाय मोदी सरकार दोष मढ़ने, कहानियाँ रचने और इन्द्रजाल बनाने में लगी हुई है। 3 दिन पहले 288 लोग मतलब क़रीब 300 लोगों की जान चली गई है और आज भी इस सवाल का जवाब नहीं है।

रमन सरकार के 15 साल में 27,000 बच्चियां लापताः वंदना

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता वंदना राजपूत ने भाजपा विधायक रंजना साहू के दत्तक ग्रहण केंद्र की घटना के लिए सरकार जिम्मेदार के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार में कानून का राज है इसलिए बर्बरता करने वाले को बर्दाश्त नहीं किया जाता है तुरंत त्वरित कार्यवाही करते हुए दत्तक ग्रहण केंद्र की प्रोग्राम मैनेजर सीमा द्विवेदी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। प्रतीक्षा विकास संस्थान विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण कांकेर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, वहीं लापरवाही बरतने पर 2ष्त्र अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया है जांच अभी भी चल रही है और इस मामले में जो भी दोषी होगा उसे कानून दंडित करेगी। भूपेश बघेल की सरकार में आरोपी कोई भी हो उसे बख्शा नहीं जाता बल्कि उसे जेल के सलाखों के पीछे भेजा जाता है।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि झलियामारी कांड रमन सरकार के माथे पर एक कलंक है जिसके जिम्मेदार भाजपा की है। भारतीय जनता पार्टी सरकार के नाक के नीचे में झलियामारी आश्रम में कई नाबालिग बच्चियों के साथ बलात्कार की घटना कई सालों तक चलती रही और जब मामला का उजागर जगजाहिर होने पर भाजपा के नेता लीपापोती में लग गए थे जब झलियामारी कांड के संबंध में विधानसभा में विपक्ष ने हंगामा किया था तब जाकर के कार्यवाही किए थे यह भाजपा के असली चाल और चरित्र है। भाजपा के सरकार में 27000 बच्चियां लापता हो जाती है।

गौठान से महिलाओं को मिल रही जीवन जीने का नया ढंग

रायपुर। गोबर से जिंदगी बदल जाने की कल्पना शायद ही किसी ने कभी की होगी।आज छत्तीसगढ़ सरकार की गोधन न्याय योजना ने स्थानीय ग्रामीण महिलाओं को जीवन जीने का एक नया तरीका दिया है।अब महिलाएं अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के साथ -साथ परिवार के अन्य खर्चों में अपनी महती भूमिका निभा रही है।ऐसे ही लाखों लोगों की जिंदगी बदल रही है और गोबर तथा सब्जी बेचकर आमदनी प्राप्त कर रही है। जिले के तिल्दा विकासखंड के ग्राम गनियारी में राज्य सरकार द्वारा 6 एकड़ में गौठान की स्थापना की गई है।जिसमे वर्मी उत्पादन के लिए टांके और सब्जी के लिए बाड़ी बनाई गई।धनलक्ष्मी गौठान समूह की महिलाएं गौठान और बाड़ी के माध्यम से कार्य कर रही है। समूह में 12 महिलाएं कार्य कर रही है। गौठान में अभी वर्मी उत्पादन का कार्य चल रहा है जिसमे अब तक 450 बोरी वर्मी समूह द्वारा बनाया गया है। समूह की अध्यक्ष माहेश्वरी घटियारा ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की इस पहल से अब हमे रोजगार के लिए कहीं भटकना नहीं पड़ रहा है। वर्मी कम्पोस्ट निर्माण जैसी आर्थिक गतिविधि से अन्य गौठान के स्व सहायता समूहों की तरह उनके समूह को भी अच्छी आमदनी होगी। समूह की महिलाओं को गौठान से आय का नया जरिया मिला है।समूह की महिलाओं ने जिंदगी बदलने वाली इस योजना के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

महिलाओं की सुरक्षा ही पुलिस की पहली प्राथमिकताः डांगी

- **महिला सुरक्षा एवं उनके विरुद्ध घटित अपराध के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यशाला का आयोजन**

रायपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस पुलिस अकादमी चंद्रखुरी में छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों के विवेचक एवम् राजपत्रित अधिकारियों को महिला सुरक्षा एवं उनके विरुद्ध घटित अपराध के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है. राष्ट्रीय अपराध एवं अन्वेषण ब्यूरो के निर्देशन में आयोजित पाँच दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर संबोधित करते हुए अकादमी के निदेशक श्री रतन लाल डांगी ने ये बात कही। श्री डांगी ने कहा कि जब तक महिलाओं में उनके विरुद्ध घटित होने वाली घटनाओं का भय एवं डर ख़त्म नहीं किया जाएगा तब तक न ही समाज एवं न राष्ट्र का विकास हो पाएगा।उन्होने कहा कि महिलाओं के प्रति बढ़ते हुए अपराधों पर नियंत्रण रखने के लिए पुलिस के विवेचक एवं राजपत्रित अधिकारियों की यह जिम्मेदारी होती है की वो महिला संबंधी किसी भी प्रकार के अपराध घटित होने की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल अपराध दर्ज कर विवेचना करके अपराधियों के खिलाफ मामले को ठोस सबूतों के साथ न्यायालय में पेश करे।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि पुलिस को ऐसे सार्वजनिक स्थान जैसे स्कूल, कॉलेज, बस स्टैंड, भीड़-भाड़ वाले स्थानों, बाज़ार या अन्य जगहों पर जहाँ महिलाओं की उपस्थिति बनी रहती है, लगातार पुलिस के द्वारा अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर असामाजिक तत्वों पर निगाह रखनी चाहिए। उन्होनें आगे कहा कि पुलिस अधिकारियों को इस बात पर भी गर्व महसूस करना चाहिए कि भगवान ने उनको सुरक्षा देने के लिए चुना है। पुलिस के रूप में आम नागरिकों एवं कमज़ोर लोगों की सुरक्षा के लिए आपको अवसर दिया है। इस दायित्व को पूरा करने के लिए आपको शासन ने वैधानिक अधिकार भी दिए हैं । उन अधिकारों का सदुपयोग करके महिलाओं में आत्म-विश्वास पैदा करना चाहिए।

इस पाँच दिवसीय कार्यशाला में सभी पुलिस अधिकारियों को महिलाओं से संबंधित कानूनी प्रावधानों में नवीनतम संशोधनों एवं वैज्ञानिक अनुसंधान की प्रक्रियाओं से अवगत कराया जाएगा। साथ ही माननीय न्यायालयों द्वारा प्रसारित दिशा निर्देश के संबंध में भी बताया जाएगा। इस कार्यशाला में पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे.

सड़क के खस्ताहाल को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा ने मंगलवार को राजधानी से लगे गांव मोहरेगा-कठिया-हिरमी की सड़क के खस्ताहाल को लेकर कलेक्टर (रायपुर) को ज्ञापन सौंपकर आगामी 9 जून को एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन, चक्काजाम व पुतला दहन का एलान किया है। श्रीमती वर्मा ने कहा कि राजधनी से लगे गांव मोहरेगा-कठिय-हिरमी ग्राम की सड़क की बदहाली बयां करती है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विकास के खोखले दावे कर रहे हैं।भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती वर्मा ने कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में कहा है कि मोहरेगा-कठिया-हिरमी मार्ग एक प्रमुख मार्ग है, जहाँ स्थित बड़े सीमेंट उद्योग, पॉवर प्लांट तथा क्रेशर उद्योग से निकलने वाले उत्पाद एवं कच्चे माल के परिवहन हेतु अधिकतम क्षमता के वाहन चलते हैं। उक्त सड़क की स्थिति अत्यंत ही जर्जर है जिससे आएदिन छोटी-बड़ी दुर्घटना आम बात हो गई है। आम जन का पैदल चलना भी उक्त सड़क पर दूभर जान पड़ता है। उक्त मार्ग के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा भी घोषणा की गयी है, किंतु मार्ग पुनर्निर्माण संबंधी कोई अन्य प्रक्रिया नहीं की गई है। इसके विरोध में शासन-प्रशासन को जगाने भाजपाक्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आम जनता के साथ दिनांक 9 जून को शांतिपूर्ण ढंग से एक दिवसीय चक्का जाम, धरना प्रदर्शन व पुतला दहन करेगी। श्रीमती वर्मा ने स्पष्ट किया है कि एंबुलेंस, दूध वाहन, डीजल टैंकर, शव वाहन जैसे मूलभूत आवश्यक सेवाएं की निर्बाध जारी रहेंगी।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.